हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, मंगलवार, 4 फरवरी 2025 | अंक 113/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

EXCLUSIVE
WEDDING
COLLECTION
•LACHA•BANARASI•LEHENGA
•DESIGNER • FANCY WORK
वैशाली
लाछा अँन्ड सारिज़
लाछा और साडीयों की महारानी
सराफा बाजार, इतवारी नागपुर. 9529081789, 9325112561 | समय: 10.00से7.30 रविवार बंद

महाकुंभ का आखिरी अमृत स्नान

2.33 करोड़ ने डुबकी लगाई

प्रयागराज.

वसंत पंचमी पर महाकुंभ का तीसरा और अंतिम अमृत स्नान जारी है। हाथों में तलवार-गदा, डमरू और शंख। शरीर पर भभूत। आंखों पर काला चश्मा। घोड़े और रथ की सवारी। हर-हर महादेव का जयघोष करते हुए साधु-संत स्नान के लिए संगम पहुंचे। सबसे पहले पंचायती निरंजनी अखाड़े के संतों ने संगम में अमृत स्नान किया। फिर सबसे बड़े जूना अखाड़े के साथ किन्नर अखाड़े ने डुबकी लगाई। शाम 5 बजे तक सभी 13 अखाड़ों ने स्नान कर लिया। संतों का आशीर्वाद लेने के लिए लाखों श्रद्धालु संगम पर थे। लोग नागा साधुओं की चरण रज माथे पर लगाते नजर आए। 30 से ज्यादा देशों के लोग भी अमृत स्नान देखने के लिए संगम पहुंचे। हेलिकॉप्टर से संगम पर 20 क्विंटल फूल बरसाए गए। संगम जाने वाले सभी रास्तों पर 10 किमी तक श्रद्धालुओं का रेला था। प्रयागराज जंक्शन से 8 से 10 किमी पैदल चलकर लोग संगम पहुंच रहे हैं। भीड़ को देखते हुए लेटे हनुमान मंदिर को बंद कर दिया गया है। मेला क्षेत्र के सभी रास्ते वन-वे हैं। भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक सोमवार को लखनऊ पहुंचे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें रिसीव किया। भूटान नरेश मंगलवार को कुंभ जाएंगे। महाकुंभ का आज 22वां दिन है। 6 बजे तक 2.33 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया। 13 जनवरी से अब तक 34.97 करोड़ से ज्यादा लोग डुबकी लगा चुके हैं। संगम पर 20 क्विंटल फूल बरसाए, महाकुंभ के आखिरी अमृतस्नान के दिन सोमवार को संगम तीरे स्नान करने आए करोड़ों श्रद्धालुओं पर सरकार ने हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए. सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गयी. सुबह साढ़े छह बजे अखाद्यों का अमृतस्नान शुरू हुआ तो पुष्पवर्षा शुरू हो गई। संगम तट पर मौजूद नागा संन्यासी, संत और श्रद्धालु गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा से अभिभूत हो गए और जय श्री राम और हर हर महादेव के नारे लगाने लगे।

गुलाब की पंखुड़ियों का किया गया था खास इंतजाम योगी सरकार के निर्देश पर महाकुंभ मेला क्षेत्र में स्नान पर्व के मौके पर श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा करने के लिए उद्यान विभाग कई दिनों से तैयारी कर रहा था. इसके लिए विशेष तौर पर गुलाब की पंखुड़ियां मंगवाई गई थीं। महाकुंभ के सभी स्नान पर्वों पर पुष्प वर्षा की तैयारी की गई है.

20 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों का गुलदस्ता

प्रत्येक स्नान उत्सव में लगभग 20 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियाँ बरसाई जाती हैं। पौष पूर्णिमा के पर्व और मकर संक्रांति के पहले अमृतस्नान पर श्रद्धालुओं पर गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा की गई, वहीं मौनी अमावस्या के दूसरे अमृतस्नान पर भी प्रतीकात्मक पुष्पों की वर्षा की गई।

हिज्ब उत-तहरीर केस में 2 आरोपी अरेस्ट

चेन्नई.

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को तमिलनाडु हिज्ब उत तहरीर (एचयूटी) मामले में दो प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों की पहचान कबीर अहमद अलीयार और बावा बहरुदीन उर्फ मन्ने बावा के तौर पर हुई है. इन दोनों पर हिज्ब उत तहरीर की विचारधाराओं का प्रचार करने और गुप्त बयानों के आयोजन का आरोप है. एनआईए जांच में पता चला है कि ये दोनों आरोपी कट्टर इस्लामी विचारधारा से प्रभावित थे और एक प्रदर्शनी के माध्यम से इस्लामी देशों की सैन्य ताकत को दर्शाने की योजना बना रहे थे. जिसका मकसद भारत सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए विदेशी ताकतों को आमंत्रित करना और हिंसक जिहाद छेड़ना था. दोनों आरोपियों से एनआईए पूछताछ कर रही है. इससे पहले जांच एजेंसी ने छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था. एनआईए की जांच में खुलासा हुआ था कि हिज्ब उत तहरीर (एचयूटी) एक अंतर्राष्ट्रीय कट्टरपंथी संगठन है, जिसका मकसद इस्लामी खिलाफत की स्थापना करना और अपने संस्थापक तकी- अल- दीन- अल-नभानी द्वारा लिखे संविधान को लागू करना है. जांच में पता चला कि आरोपी इसी चरमपंथी विचारधारा से प्रभावित थे. हिज्ब उत तहरीर पर सरकार ने लगाया बैन, भारत सरकार ने अक्टूबर 2024 में एक अधिसूचना जारी कर हिज्ब उत तहरीर (एचयूटी) और उसके सभी प्रमुख संगठनों पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम 1967 के तहत प्रतिबंध लगा दिया था.

कुल्लू में भूकंप से डोली धरती

राजस्थान के बीकानेर के बाद हिमाचल के कुल्लू में भूकंप से लोगों में दहशत

कुल्लू. देश के दो राज्यों में पिछले 24 घंटे के भीतर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रविवार की दोपहर जहां राजस्थान के बीकानेर में भूकंप आया तो वहीं सोमवार की तड़के सुबह हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भूकंप के झटके महसूस किए गए। जानकारी के मुताबिक भूकंप के झटके सुबह 6:50 बजे आए थे जिससे लोग दहशत में आ गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई। वहीं कुल्लू के आस-पास के जिलों के कुछ इलाकों में भी झटके महसूस किए गए। हालांकि किसी भी तरह के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

भूकंप का केंद्र कुल्लू में जमीन के अंदर पांच किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के झटके कुल्लू के आसपास के इलाकों जैसे मंडी व शिमला जिले के कुछ क्षेत्रों में भी महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होते ही कई लोगों अपने घरों से बाहर निकल गए और लोगों के बीच दहशत का माहौल रहा। बता दें भूकंप की दृष्टि से हिमाचल प्रदेश सिस्मिक जोन चार और पांच में आता है।

इसमें जिले के कांगड़ा, चंबा, लाहौल, कुल्लू और मंडी भूकंप की दृष्टि से अति संवेदनशील क्षेत्र हैं। रविवार को राजस्थान के बीकानेर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, रविवार की दोपहर को राजस्थान के बीकानेर क्षेत्र में रिक्टर स्केल पर 3.6 तीव्रता का मध्यम भूकंप आया। भूकंप का केंद्र 10 किमी की गहराई पर स्थित था, जिसका निर्देशांक 27.76 एन और देशांतर 73.72 ई था।हालांकि अभी तक किसी जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन अचानक आए झटकों से लोग घबरा गए हैं।

महाकुंभ अमृत स्नान, वॉर रूम में डटे सीएम योगी

प्रयागराज.

बसंत पंचमी के दिन महाकुंभ के अमृत स्नान के लिए सुबह से ही प्रमुख अखाड़ों और श्रद्धालुओं की काफी भीड़ इकट्ठा हुई है और लोग श्रद्धापूर्वक त्रिवेणी में डुबकी लगा रहे हैं। स्नान में उमड़ी भीड़ और व्यवस्था पर सीएम योगी आदित्यनाथ की पैनी नजर है। सुबह से ही योगी आदित्यनाथ ने कुंभ स्नान का गहन निरीक्षण करने में लगे हैं।

सीएम योगी का विशेष ध्यान साधु संतों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था पर टिका है। सीएम योगी तड़के सुबह तीन बजे से ही पल पल की अपडेट ले रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बसंत पंचमी के पावन अवसर पर अमृत स्नान की व्यवस्था की निगरानी के लिए प्रातः साढ़े तीन बजे से ही अपने सरकारी आवास स्थित वॉर रूम में बैठक की है।

❍ योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्नान स्थल पर पूरी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें और श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक इंतजाम पूरा करें। साथ ही, उन्होंने आस्था के इस महान पर्व पर प्रशासन की तत्परता को बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि हजारों श्रद्धालुओं को बिना किसी समस्या के संगम में स्नान का लाभ मिल सके।

उन्होंने डीजीपी, प्रमुख सचिव गृह और मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों के साथ लगातार अपडेट प्राप्त किए और आवश्यक निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने इस महत्वपूर्ण आयोजन की सुरक्षा और व्यवस्था के संदर्भ में पूरी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि स्नान के दौरान किसी भी प्रकार की कोई भी असुविधा न हो और सभी श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा प्रदान की जाए।

महाकुंभ भगदड़ पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने को कहा

नई दिल्ली.

सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ को एक "दुर्भाग्यपूर्ण घटना" बताया और देशभर से आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए सुरक्षा उपाय व दिशा-निर्देश लागू करने के लिए निर्देश देने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका दायर करने वाले वकील से कहा कि वह अपनी याचिका लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट जाएं। महाकुंभ भगदड़ को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी की ओर से ये जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में मौनी अमावस्या के दिन हुई भगदड़ पर स्टेटस रिपोर्ट और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। इतना ही नहीं इसमें सभी राज्यों की ओर से मेले में सुविधा केंद्र खोलने की भी बात कही गई है, जिससे गैर हिंदी भाषी नागरिकों को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो।

भगदड़ में 30 की मौत, 60 लोग घायल

बता दें कि महाकुंभ में मौनी अमावस्या 29 जनवरी के तड़के हुई घटना में 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 लोग घायल हो गए थे। हालांकि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का मेला क्षेत्र में आना जारी है और भगदड़ की घटना का यहां आ रहे श्रद्धालुओं पर कोई खास असर दिखाई नहीं दे रहा। इसके बाद सरकार ने मेला क्षेत्र में भीड़ के प्रबंधन के लिए 5 बड़े उपाय अपनाए हैं, जिनमें बाहरी वाहनों के प्रवेश पर बैन से लेकर व्हीव्हीआयपी पासों को रद्द किया जाना शामिल है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को भेजा नोटिस

महाराष्ट्र चुनाव में 6 बजे के बाद पड़े 76 लाख वोट

मुंबई.

बॉम्बे हाई कोर्ट में सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई हुई. दायर याचिका में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शाम 6 बजे के बाद पड़े 76 लाख वोटों पर संदेह जताया गया है. वहीं, इसपर बॉम्बे हाईकोर्ट ने केंद्रीय चुनाव आयोग, राज्य चुनाव आयोग को 2 हफ्ते में जवाब देने को कहा है. बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस अजय गडकरी और कमल खट्टा की बेंच इस मामले में सुनवाई कर रही है. वंचित बहुजन अघाड़ी पार्टी के अध्यक्ष और बाबासाहेब अंबेडकर के परपोते प्रकाश अंबेडकर ने यह याचिका दायर की थी. उन्होंने कोर्ट में तर्क दिया किपिछले विधानसभा चुनाव में शाम 6 बजे के बाद हुए मतदान के प्रतिशत और इस साल शाम 6 बजे के बाद हुए मतदान के प्रतिशत में बड़ा अंतर है. वहीं, कोर्ट ने चुनाव आयोग को 2 सप्ताह में खुलासा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है. प्रकाश अंबेडकर ने हाईकोर्ट में कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की भारी जीत हुई. कुल 288 सीटों में से महायुति ने 230 से ज्यादा सीटें जीती. इसपर चुनाव आयोग का एक बयान आया कि बंपर वोटिंग हुआ ,शाम 6 बजे के बाद 76 लाख वोट गिरे. वहीं, याचिका में चुनाव आयोग के बयान का हवाला देते हुए इस पर संदेह जताया गया है. वरिष्ठ वकील प्रकाश अंबेडकर ने बॉम्बे हाईकोर्ट में बहस करते हुए कहा कि चुनाव आयोग को शाम 6 बजे के बाद हुए मतदान का वीडियो उपलब्ध कराना चाहिए.

कोर्ट ने प्रकाश अंबेडकर की मांग मान ली

❍ वहीं, पीठ ने चुनाव आयोग से पूछा कि क्या निर्वाचन विभाग ने शाम 6 बजे के बाद वीडियोग्राफी की? इसके बाद हाईकोर्ट ने एडवोकेट प्रकाश अंबेडकर की मांग मान ली. केंद्रीय चुनाव आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को नोटिस जारी कर अगले दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा है. साथ ही दिए गए समय के भीतर खुलासा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं.

चीन, भारत की सीमा में घुसा: राहुल गांधी

4000 वर्ग कि.मी. क्षेत्र पर कब्जा

नई दिल्ली.

संसद के बजट सत्र में सोमवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाषण दिया। इस दौरान राहुल गांधी ने चीन को लेकर कई ऐसे दावे किए कि हंगामा शुरू हो गया। राहुल गांधी ने दावा किया है कि चीन, भारत की सीमा में घुसा हुआ है और उसने भारत के 4000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर रखा है। राहुल गांधी के इस बयान पर एनडीए के सांसदों ने कड़ी आपत्ति जताई है।

❍ राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि कोई भी देश मूल रूप से दो चीजों को ऑर्गनाइज करता है। पहले उपभोग को व्यवस्थित करते हैं फिर उत्पादन को व्यवस्थित कर सकते हैं। उत्पादन को व्यवस्थित करने का आधुनिक तरीका मैन्यूफैक्चरिंग है। हालांकि, एक देश के रूप में हम उत्पादन को व्यवस्थित करने में विफल रहे हैं। हमारे पास प्रोडक्शन को ऑर्गनाइज करने के लिए कई कंपनियाँ हैं। लेकिन हमने प्रोडक्शन का संगठन चीनियों को सौंप दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि हम भले ही कहे कि हम फोन भारत में बनाते हैं लेकिन यह सच नहीं है। यह फोन भारत में नहीं बना है। इस फोन के सभी कंपोनेंट चीन में बने हैं। हम चीन को कर चुका रहे हैं।"

स्पीकर ओम बिरला ने भी राहुल गांधी को कहा है कि उन्हें इस दावे के बारे में तथ्य पेश करने होंगे। लोकसभा में राहुल गांधी ने कहा कि हमारे सेनाध्यक्ष ने कहा है कि चीन हमारे क्षेत्र के अंदर है। ये एक फैक्ट है। चीन हमारे क्षेत्र में जिस कारण से बैठा वो ये है कि मेक इन इंडिया फेल हो गया है। इसका कारण है कि भारत उत्पादन करने से इनकार कर रहा है और मुझे चिंता है कि भारत इस क्रांति को एक बार फिर चीन के हाथों सौंपने जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि जब हम चीन के साथ युद्ध लड़ेंगे, तो हम चीनी इलेक्ट्रिक मोटरों, चीनी बैटरियों से लड़ रहे होंगे और चीनी ऑप्टिक्स और चीनी बैटरी खरीदेंगे। राहुल गांधी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने इसका खंडन किया है।

राजस्थान विधानसभा में धर्मांतरण विरोधी बिल पेश

लव जिहाद और जबरन धर्म परिवर्तन करवाने पर मिलेगी सजा

जयपुर.

धर्म परिवर्तन और लव जिहाद जैसे मुद्दों को लेकर राजस्थान सरकार सख्त रवैया अपनाने के मूड में है। राजस्थान विधानसभा में धर्मांतरण विरोधी बिल पेश हो गया है। स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने इस बिल को पेश किया है। इस बिल को बजट सत्र में ही बहस के बाद पारित करवाया जाएगा।

विधेयक के पारित होने की तिथि बाद में निर्धारित की जाएगी। लव जिहाद को लेकर ये कानून, राजस्थान विधानसभा में आज स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने धर्मांतरण विरोधी बिल पेश किया। इस बिल को बजट सत्र में ही बहस के बाद पारित करवाया जाएगा। विधेयक के पारित होने की तिथि बाद में निर्धारित की जाएगी। इस बिल में लव जिहाद के खिलाफ भी प्रावधान हैं।

बिल में लव जिहाद को परिभाषित किया है। अगर कोई धर्म बदलवाने के लिए शादी करता है, वह लव जिहाद माना जाएगा। अगर यह साबित होता है कि शादी का मकसद लव जिहाद है तो ऐसी शादी को रद करने का प्रावधान होगा।

अगर कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कराने के उद्देश्य से शादी करता है। फैमिली कोर्ट ऐसे विवाह को अमान्य घोषित कर सकता है। मर्जी से धर्म परिवर्तन करने पर 60 दिन पहले संबंधित व्यक्ति को कलेक्टर को सूचना देनी होगी। इस दौरान इस बात की जांच की जाएगी कि किसी व्यक्ति को छल या बलपूर्वक, या कोई लालच देकर धर्म परिवर्तन नहीं करवाया जा रहा है। अगर कोई व्यक्ति अथवा संस्था ऐसा कृत्य करते हैं, तो उन्हें कठोर दण्ड दिया जाएगा।

अवैध रूप से धर्म परिवर्तन में मददगारों को भी सजा

अवैध रूप से धर्म परिवर्तन में मदद करने वालों को भी सजा के लिहाज से अपराधी माना जाएगा। विधेयक विधानसभा से पारित होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने पर ही कानून बन सकेगा। गौरतलब है कि धर्मांतरण एक सेंसटिव मुद्दा है, जो अक्सर चर्चा में भी रहता है और सियासी गलियारों में भी इस मुद्दे की खूब चर्चा होती है।

'शीशमहल' में नहीं रहेगा बीजेपी का सीएम

इसे दर्शन के लिए खोलेंगे

नई दिल्ली. दिल्ली विधानसभा चुनाव के आखिरी दिन बीजेपी ने पूरी ताकत झोंक दी. पार्टी के बड़े-बड़े दिग्गज प्रचार में उतरे. इस कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने द्वारका विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली की. इस दौरान उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि एक तरफ झूठों के सरदार केजरीवाल और उनकी 'आपदा' है, वहीं दूसरी तरफ देश को विकास के रास्ते पर ले जाने वाले पीएम नरेंद्र मोदी हैं. इन दोनों के बीच आपको तय करना है. अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने देश के नागरिकों से जो भी वादे किए वो सब पूरे किए. उन्होंने देश को आतंकवाद से मुक्त करवाने का काम किया है.

शाह ने कहा बीजेपी के लोग जो कहते हैं वो करते हैं. लेकिन अरविंद केजरीवाल जो कहते है वो कभी नहीं करते, वो सिर्फ झूठे वादे करते हैं. उन्होंने जनता से किया एक भी वादा पूरा नहीं किया. सिर्फ जनता से झूठ बोला है.

'दर्शन के लिए शीशमहल को जरूर खोलेंगे'

❍ भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अमित शाह ने केजरीवाल को जमकर घेरा. उन्होंने कहा कि शीशमहल बनवाने के अलावा केजरीवाल ने सिर्फ करोड़ों का भ्रष्टाचार करने का काम किया है. उन्होंने कहा कि हजार करोड़ का घोटाला करना कोई छोटी बात है क्या. शाह ने सवाल किया कि किसी का बंगला 50 हजार करोड़ का है क्या? मंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी का मुख्यमंत्री उस बंगले (शीश महल) में नहीं रहेगा उन्हें आदत नहीं होगी, लेकिन लोगों के दर्शन के लिए तय शीशमहल को जरूर खोल देंगे.

वित्त वर्ष 2025 में सरकारी खपत बढ़ने का अनुमान

घटेंगे फिस्कल डेफिसिट और महंगाई

नई दिल्ली.

देश के आम बजट में वित्त मंत्री ने मिडिल क्लास को खुश करने वाले बजट प्रावधानों पर ज्यादा ध्यान दिया है. बजट के बाद तमाम एनालिसिस और विश्लेषण से यह पता चल रहा है कि वित्त मंत्री की कोशिश आम जनता को खुश करने की रही है.
इसके साथ साथ अर्थव्यवस्था के कुछ बड़े कारकों पर भी सरकार का ध्यान है जिसमें फिस्कल डेफिसिट, महंगाई, टैक्सेशन,

आर्थिक विकास दर के साथ साथ और कई आर्थिक पहलुओं पर बात हुई है.
जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्य और केंद्र सरकारों के राजस्व व्यय में बढ़ोतरी को देखते हुए वित्त वर्ष 2025 में सरकारी खपत बढ़ोतरी में सुधार होने का अनुमान है, जबकि निजी खपत बढ़ोतरी ग्रामीण मांग, महंगाई दर में कमी और अनुकूल आधार से प्रेरित होने की उम्मीद है. पीडब्ल्यूसी की 'बजट 2025-26: भारत के समावेशी विकास को बढ़ावा' रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवाओं के निर्यात में मजबूत बढ़ोतरी के कारण निर्यात में भी मजबूत बढ़ोतरी देखने को मिलेगी. यह रिपोर्ट बजट की मुख्य बातों, आर्थिक दृष्टिकोण और प्रमुख कर तथा विनियामक प्रस्तावों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करती है, जो आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति को आकार देंगे. पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में 8.2 प्रतिशत के मुकाबले भारत की आर्थिक बढ़ोतरी वित्त वर्ष 2025 में 6.4 प्रतिशत रहने की उम्मीद है. इसका मुख्य कारण शहरी खपत में कमी, उच्च खाद्य महंगाई दर, पूंजी निर्माण में धीमी बढ़ोतरी और वैश्विक प्रतिकूलताएं हैं. इसने वित्त वर्ष 26 के लिए 4.4 प्रतिशत का राजकोषीय घाटा भी बजट में रखा है, जिससे वित्त वर्ष 26 तक 4.5 प्रतिशत से कम घाटा हासिल करने की उसकी प्रतिबद्धता बनी हुई है. आर्थिक सर्वेक्षण में वित्त वर्ष 26 में 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत की सीमा में बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया है.

भारत 2025 में दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश

❑ हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत घरेलू बाजार, बढ़ती कामकाजी आयु वाली आबादी और मजबूत मैक्रोइकोनॉमिक फंडामेंटल्स की बदौलत भारत 2025 में दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा. सरकार का अनुमान है कि वह अपने फिस्कल डेफिसिट के लक्ष्य 4.9 प्रतिशत को बेहतर बनाएगी और वित्त वर्ष 2025 के लिए इसे 4.8 प्रतिशत पर रखेगी.

इस महीने आएगा सबसे बड़ा मार्केट क्रैश

नई दिल्ली. अगर आप भी शेयर बाजार से कमाई करते हैं खबर आपके काम की साबित हो सकती है. दरअसल, दुनिया के मशहूर और बेस्टसेलर किताब रुईच डैड पुअर डैड के लेखक ने बाजार को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है. अमेरिकी बिजनेसमैन और बेस्टसेलर के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने कहा है कि इस महीने यानी फरवरी में शेयर मार्केट के इतिहास की सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है.रिच डैड पुअर डैड के लेखक कियोसाकी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा रिच डैड्स प्रॉफेसी-2013 में मैंने चेतावनी दी थी कि इतिहास का सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट क्रैश आने वाला है. यह क्रैश इसी महीने फरवरी में होगा. इसके आगे उन्होंने लिखा कि इस दौरान अच्छी खबर ये है कि इस क्रैश में सब कुछ सस्ते में मिल जाता है. कारें और घर अब सस्ते में मिलेंगे. अमेरिकी बिजनेसमैन ने इस दौरान कहां पैसा बनेगा इसकी जानकारी दी है. उन्होंने कहा कि इस दौरान आपका पैसा बिटकॉइन में बन सकता है. ऐसा इसलिए क्योंकि अरबों रुपये स्टॉक और बॉन्ड मार्केट से निकलकर बिटकॉइन में निवेश किए जाएंगे. जब मार्केट क्रैश होगा तो बिटकॉइन किंग बनेगा और तेजी से बढ़ेगा. आज बजट के बाद शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों सेंसेक्स और निफ़्टी दोनों में ही जोरदार गिरावट देखने को मिल रही है. अमेरिका ने चीन, कनाडा और मैक्सिको पर टैरिफ बढ़ाने के ऐलान के बाद निवेशकों में घबराहट फैल गई, और एशिआई बाजारों में भारी गिरावट आई, जिसका असर आज भारतीय बाजार पर भी दिख रहा है.

50 स्थलों का होगा विकास | आमदनी के लिए होम स्टे को बढ़ावा

नई दिल्ली.

देश के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए देश के शीर्ष 50 पर्यटन स्थलों को विकसित किया जाएगा और बौद्ध धर्म से जुड़े स्थलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए मुद्रा लोन की सुविधा का विस्तार किया जाएगा। इस आम पर्यटकों को पर्यटन स्थलों में स्थित घरों पर रहने और महंगे होटलों का अच्छा विकल्प उपलब्ध होगा। पर्यटन को रोजगार-आधारित विकास का प्रमुख चालक बनाने के लिए ये फैसला लिया गया। इन स्थलों पर आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए जमीन राज्य सरकारें उपलब्ध कराएंगी। इन पर्यटन स्थलों पर स्थित होटलों को हार्मोनाइज्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर मास्टर लिस्ट (एचएमएल) में शामिल किया जाएगा, जिससे उन्हें वित्तीय सहायता और विकास संबंधी सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और यात्रा अनुभव को और बेहतर व सुलभ बनाया जा सकेगा। पर्यटन स्थलों के प्रबंधन में अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों को प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन दिया जाएगा।

बुद्ध सर्किट विकसित होने से उत्तर प्रदेश के सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, बिहार के बोध गया, राजगीर, वैशाली, एमपी के सांची, महाराष्ट्र के अमरावती, तेलंगाना के नागार्जुनकोंडा जैसे शहर आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में तब्दील होंगे। पर्यटन आधारित रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। जापान, वियतनाम, थाईलैंड, श्रीलंका, इंडोनेशिया, मलेशिया, लाओस, सिंगापुर आदि बौद्ध धर्म मानने वाले देशों से लाखों की संख्या में लोग हर साल भारत आकर बौद्ध स्थलों के दर्शन करते हैं। अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए सरलीकृत ई-वीजा सुविधा और चुनिंदा पर्यटक समूहों के लिए वीजा शुल्क में छूट दी जाएगी। निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में क्षमता निर्माण व आसान वीजा नियम लागू किए जाएंगे। पर्यावरण मंत्रालय को 3,412.82 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह राशि पिछले बजट से 9 फीसदी अधिक है। बढ़े हुए बजट का उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और वन आवरण को बढ़ाने जैसे प्रयासों को गति देना है। ग्रीन इंडिया मिशन के लिए आवंटित 220 करोड़ से वन आवरण बढ़ेगा, वन सुरक्षा होगी और जंगल की आग को रोका जाएगा। जैव विविधता संरक्षण के लिए 10 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

२0,000 करोड़ का परमाणु ऊर्जा मिशन

❑ परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए २0,000 करोड़ रुपये के परमाणु ऊर्जा मिशन की घोषणा की गई है। इसके तहत स्वदेशी रूप से विकसित पांच छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर्स का विकास किया जाएगा। इन्हें २0३३ तक चालू किया जाएगा। मिशन में निजी क्षेत्र को शामिल करने के लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति के लिए सिविल दायित्व अधिनियम में संशोधन किए जाएंगे।

सुरक्षित भुगतान प्रणाली बनाने की तैयारी

नई दिल्ली. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये प्रतिभूति बाजार में सुरक्षित और बेहतर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए नई प्रणाली लाने पर विचार कर रहा है। बाजार नियामक सेबी ने वैध वित्तीय मध्यस्थों को धोखेबाजों से बचाने के लिए यह कदम उठाया। प्रस्तावित प्रणाली के तहत, सेबी ने पंजीकृत बाजार मध्यस्थों के लिए एक विशेष यूपीआई पता बनाने का सुझाव दिया है, जिससे निवेशकों के लिए यह सुनिश्चित करना आसान हो जाएगा कि वे केवल पंजीकृत इकाइयों को ही भुगतान कर रहे हैं। प्रस्ताव में पूंजी बाजार लेनदेन के लिए यूपीआई भुगतान सीमा पांच लाख रुपये प्रतिदिन निर्धारित की गई है, जो मौजूदा दो लाख रुपये की सीमा से अधिक है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के परामर्श से इसका समय-समय पर मूल्यांकन किया जाएगा।

शेयर बाजार के लिए अमेरिका बना विलेन

नई दिल्ली. बजट के बाद सोमवार को शेयर बाजार लाल निशान पर खुले. सेंसेक्स और निफ़्टी दोनों में ही जोरदार गिरावट देखने को मिल रही है. अमेरिका ने चीन, कनाडा और मैक्सिको पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया है. ट्रंप के इस ऐलान के बाद निवेशकों में घबराहट फैल गई, जिससे प्रमुख एशियाई शेयर बाजारों में भारी गिरावट आई, जिसका असर आज भारतीय बाजार पर भी दिख रहा है. शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 700 अंक टूटकर 76,827.95 अंक पर पहुंच गया है. वहीं, एनएसई निफ्टी 207.90 अंकों की गिरावट के साथ 23,274.25 अंक पर पहुंच गया है. बाजार खुलते ही गिरावट और तेज हो गई. शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में अभी भी गिरावट जारी है. शुरुआती कारोबार में बड़ी कंपनियों के शेयरों में दबाव दिखा और बैंकिंग, आईटी और ऑटो सेक्टर में गिरावट नजर आ रही है. बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स ने बजट वाले दिन के अपने क्लोजिंग 77,505.96 की तुलना में गिरकर 77,063.94 के लेवल पर शुरुआत की और महज कुछ ही मिनटों के कारोबार के दौरान ये 700 अंक तक जा गिरा. सेंसेक्स की तरह निफ्टी में भी बड़ी गिरावट देखी जा रही है. निफ़्टी अपने पिछले क्लोजिंग 23,482.15 की तुलना में टूटकर 23,319 के लेवल पर खुला.

नए टैक्स स्लैब का असर 8वें वेतन आयोग पर भी होगा?

सरकारी खजाने पर बढ़ेगा बोझ

रिपोर्ट्स की मानें तो बजट के दौरान जिस तरह से डायरेक्ट टैक्स में छूट मिली है और 12 लाख तक के सालाना आय पर कोई टैक्स ना लगाने की बात कही गई है, इससे सरकारी खजाने पर लगभग एक लाख करोड़ रुपये का बोझ आएगा. इसके अलावा, 8वें वेतन आयोग के ऐलान से भी सरकारी खजाने पर लगभग 2 लाख करोड़ का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा.

नई दिल्ली.

बजट पेश करने के दौरान देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नए टैक्स स्लैब की घोषणा की. जिसके अनुसार, अब 12 लाख रुपये तक के सालाना आय पर एक भी रुपये का टैक्स नहीं देना होगा. इसके अलावा हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दी है, जिससे सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स की सैलरी में बड़ी बढ़ोतरी की उम्मीद है.
अब सवाल उठता है कि बजट में जिस नए टैक्स स्लैब का ऐलान हुआ है, क्या उसका असर 8वें वेतन आयोग पर भी पड़ेगा. अगर पड़ेगा तो किस तरह का असर पड़ेगा. चलिए, इसके बारे में इस खबर में विस्तार से जानते हैं. 8वें वेतन आयोग के लागू होने से सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में 108 फीसदी तक की वृद्धि होने की संभावना है, जिससे लगभग 1.10 करोड़ केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनधारकों को लाभ मिलेगा. रिपोर्ट्स के अनुसार, अगर फिटमेंट फैक्टर 1.92 से बढ़कर 2.08 तक किया गया तो न्यूनतम बेसिक सैलरी 18,000 से बढ़कर 37,440 तक हो सकती है.
वहीं, अगर फिटमेंट फैक्टर 2.86 तक बढ़ता है, तो यह राशि 51,480 तक जा सकती है. कोई भी वेतन आयोग जब लागू होता है तो उसका असर सिर्फ सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारकों पर होता है. लेकिन, जब सरकार टैक्स स्लैब में बदलाव करती है तो इसका असर देश की पूरी जनता पर पड़ता है, चाहे वह सरकारी नौकरी करने वाला हो या प्राइवेट या फिर कोई बिजनेस कर रहा हो. यानी नए टैक्स स्लैब में अगर कहा गया है कि 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा, तो यह सभी पर लागू होगा. 8वें वेतन आयोग पर इसके असर पर. आपको बता दें, 8वें वेतन आयोग से सरकारी कर्मचारियों की सैलरी और भत्ते बढ़ेंगे और अगर उनकी बढ़ी हुई सैलरी 12 लाख तक जाती है तो उन्हें कोई टैक्स नहीं देना होगा. लेकिन, अगर उनकी सैलरी 12 लाख से ऊपर जाती है तो नए टैक्स स्लैब के अनुसार उन्हें टैक्स भरना होगा.

90 फीसदी से ज्यादा आयकरदाता अपनाएंगे नई कर व्यवस्था

नई दिल्ली.

सालाना 12 लाख रुपये तक की आय पर शून्य कर की बजट घोषणा और सभी कर स्लैबों में बदलाव से 90 प्रतिशत से अधिक व्यक्तिगत करदाता नई कर व्यवस्था अपना सकते हैं। अभी यह लगभग 75 प्रतिशत है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा, सरलीकृत आईटीआर-1 में आय की रिपोर्ट करने के लिए उपलब्ध प्रक्रियाएं बहुत जटिल नहीं थीं।
उन्होंने कहा, नई कर व्यवस्था में पुरानी व्यवस्था की तरह कोई कटौती या छूट नहीं है। इसलिए यहां करदाता बिना किसी पेशेवर की मदद से खुद अपना रिटर्न भर सकता है। आगे बढ़ने के लिए हमेशा सुधार की गुंजाइश बनी रहती है और यह सभी क्षेत्रों में सच है। लेकिन कुल मिलाकर, आम करदाता के लिए चीजें काफी हद तक सरल हो गई हैं। उन्होंने कहा, आयकर भुगतान के संबंध में बजट में की गई घोषणाओं के साथ, अधिक से अधिक करदाताओं को नई व्यवस्था का विकल्प चुनने के लिए प्रेरित किया जाएगा।
नई छूट से न केवल उन लोगों को लाभ होगा जो प्रति वर्ष 12 लाख रुपये कमाते हैं, बल्कि सभी को लाभ होगा। कर अधिकारी अब तमाम झंझटों या प्रक्रियाओं की जगह करदाता को बस संकेत देते हैं कि करों का भुगतान कीजिए और खुश रहिए। सीबीडीटी प्रमुख ने कहा, वे बड़े पैमाने पर टेक्नोलॉजी का उपयोग कर रहे हैं जिसमें एआई का उपयोग और इलेक्ट्रॉनिक रूप से कई डाटा का दोहन शामिल है। उन्होंने कहा, हमें कई डाटा स्रोतों से जानकारी मिल रही है। हम उस डाटा को एकत्रित कर रहे हैं और करदाता के लिए उपलब्ध करा रहे हैं। अब अधिक से अधिक करदाता अपने तरफ से किए गए लेनदेन की विविधता के बारे में जागरूक हो रहे हैं। जब वे अपना रिटर्न दाखिल करते हैं तो अनुपालन करते हैं। गलत या फर्जी कटौती का दावा करने वाले लगभग 90,000 करदाताओं ने संशोधित रिटर्न दाखिल किया है और पिछले वर्ष के दौरान करों में 1,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा, मैक्सिको पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने और चीन के उत्पादों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त कर लगाने के फैसले से ट्रेड वॉर का डर बढ़ गया है। इसे लेकर पूरी दुनिया के बाजारों में डर का माहौल है।
इस माहौल में भारतीय रुपया भी 67 पैसे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है। सोमवार को शुरुआती ट्रेड में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की कीमत 87.29 रही। भारतीय मुद्रा रुपया लगातार दबाव में है। विदेशी फंड के भारतीय बाजार से लगातार निकलने और तेल आयातक देशों द्वारा डॉलर को प्रमुखता दिए जाने के बाद से डॉलर की मांग लगातार बढ़ रही है। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज पर आज रुपया 87 रुपये पर खुला, लेकिन जल्द ही 67 पैसे गिरकर 87.29 पर आ गया।
शुक्रवार को रुपया, डॉलर के मुकाबले 86.62 पर बंद हुआ था। सीआर फॉरेक्स एडवाइजर्स के एमडी अमित पबारी ने कहा, 'सप्ताह की शुरुआत में वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव देखा गया, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ की अपनी धमकियों को जारी रखते हुए मैक्सिको, कनाडा और चीन से आयात पर शुल्क लगाया है।' पबारी ने कहा कि 'व्यापार युद्ध के बढ़ते खतरे से बाजार में जोखिम का माहौल है। अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी है और डॉलर इंडेक्स 1.30 प्रतिशत बढ़कर 109.77 के अंक पर कारोबार कर रहा है। ट्रंप की टैरिफ की धमकी के चलते अमेरिकी डॉलर में उछाल आया, जिससे वैश्विक मुद्रा विनिमय दर कई वर्षों के निचले स्तर पर पहुंच गई। यूरो में 1.0224, ग्रेट ब्रिटेन पाउंड में 1.2261 और येन 155.54 पर गिर गया।

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

म्यूचुअल फंड कर रहा मालामाल

नई दिल्ली.

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले मालामाल हो रहे हैं. इस तरह छप्परफाड़ रिटर्न मिल रहा है कि नया-नवेला निवेशक भी इसकी ओर दौड़ा चला आ रहा है. म्यूचुअल फंड में निवेश की इसी चाहत ने इसके बाजार को 10 साल में 6 गुना बढ़ा दिया है. कुल एयूएम में 60.19 फीसदी हिस्सा इक्विटी फंडों का है. जबकि डेट फंडों का हिस्सा 26.77 फीसदी हाइब्रिड फंडों का 8.58 फीसदी और बाकी का 4.45 फीसदी है.
मोतीलाल ओसवाल 'व्हेयर द मनी फ्लो' नामक रिपोर्ट के मुताबिक, म्यूचुअल फंड के इस विस्तार का कारण इकोनॉमिक ग्रोथ के साथ ही फाइनेंशियल लिटरेसी, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और भारत में बढ़े सॉल्यूशन प्रोसेस को जाता है. इसके अलावा बाजार के प्रसार ने भी इसमें बड़ा योगदान दिया है. म्यूचुअल फंड के निवेशकों का सबसे अधिक रुझान इक्विटी फंड के लिए है. दिसंबर की तिमाही में एक लाख 99 हजार का नया निवेश म्यूचुअल फंड में हुआ है. इनमें एक लाख पांच हजार करोड़ अकेले इक्विटी फंडों में निवेश किए गए. निष्क्रिय इक्विटी में भी 29 हजार करोड़ के निवेश हुए. म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले आम निवेशकों का भी मानना रहता है कि वहां कुशल लोगों की टीम इन्वेस्टमेंट की प्लानिंग करती है, इसलिए पैसा डूब नहीं सकता है.
हालांकि म्यूचुअल फंड के प्रति लोगों का रुझान दिनोंदिन बढ़ रहा है, लेकिन इसके जानकारों का मानना है कि फंड की एक्टिविटी समझे बिना कहीं पर भी निवेश उचित नहीं है. कम से कम यह जरूर जान लेना चाहिए कि उस फंड को किस तरह से मैनेज किया जाता है. उस फंड का कहां-कहां निवेश किया जा रहा है. जिन कंपनियों में निवेश किए जा रहे हैं, उनके बेसिक फंडामेंटल कितने मजबूत हैं. उसके अलावा उस फंड के पोर्टफोलियो में किस तरह की विविधता है. म्यूचुअल फंड से अधिक से अधिक कमाई के लिए इन सभी पहलुओं पर गौर फरमाना बहुत जरूरी है.

नए इनकम टैक्स बिल में हो सकते हैं ये 8 बड़े बदलाव

नई दिल्ली. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी को बजट 2025-26 पेश करते हुए एक बड़ी घोषणा की है कि अगले हफ्ते संसद में एक नया इनकम टैक्स बिल पेश किया जाएगा. यह बिल मौजूदा इनकम टैक्स अधिनियम, 1961 की जगह लेगा और इसका उद्देश्य इनकम टैक्स प्रक्रिया को और ज्यादा सरल और स्पष्ट बनाना होगा.
सबसे बड़ी बात कि इनकम टैक्स का यह कानून लगभग 6 दशक बाद बदलने वाला है. इसलिए, यह जानना जरूरी है कि आखिर इस नए इनकम टैक्स बिल में क्या-क्या हो सकता है. चलिए, इस खबर में इसके बारे में विस्तार से जानते हैं. सरकार के अनुसार, यह नया कानून 63 साल पुराने इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की जगह लेगा और टैक्सपेयर्स की प्रतिक्रिया के आधार पर इसमें संशोधन संभव होगा. आपको बता दें, इनकम टैक्स कानून 1961 के तहत ही साल 2020 में सरकार ने नई टैक्स रिजीम लागू की थी. मौजूदा इनकम टैक्स कानून को 1 अप्रैल 1962 को लागू किया गया था. सरकार अब जो नया इनकम टैक्स बिल लाने जा रही है, अगर यह कानून बना तो लगभग 63 साल बाद देश में इनकम टैक्स कानून बदलेगा.
हालांकि, नए इनकम टैक्स बिल की बात आज की नहीं है, बल्कि इसके बारे में सरकार ने जुलाई 2024 में ही बजट के दौरान संकेत दे दिया था. उस वक्त सरकार ने कहा था कि देश को नए इनकम टैक्स कानून की जरूरत है.

निकाल | महाराष्ट्र राज्य लॉटरी | महाराष्ट्र सह्याद्री | धनलक्ष्मी विकली लॉटरी | सोडत सायं. 4:30 वाजता
सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 05 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 03/02/2025
पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- | SL-03 : 1671 | श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई
सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी
दुसरे बक्षिस रु. 5000/- | 5692
तिसरे बक्षिस रु. 2000/- | 3117 (श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई) | 5279 | 5935
चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1067	2216	3325	4157	4787
1184	2582	3369	4219	4994
1270	2722	3803	4254	5207
1400	2782	3863	4270	5552
1418	2972	3877	4304	5554
1617	3140	3896	4321	5592
1730	3305	3963	4399	5853
1763	3315	3980	4469	5968

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY | महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत | तिकीट किंमत रु.50/- | सोडत दिनांक 11-02-2025
जिंका फक्त 5 अंकावर रु. 22 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 11 लाखाची x 2 बक्षिसे) | दुसरे बक्षिस रु. 2 लाख (रु. 10 हजाराची x 20 बक्षिसे) | सातवे बक्षिस रु. 12 लाख (रु. 150 ची x 8000 बक्षिसे)
छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र सह्याद्री धनलक्ष्मी विकली लॉटरी | सोडत दिनांक 03/02/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल | महाराष्ट्र राज्य लॉटरी | महाराष्ट्र गजलक्ष्मी सोम विकली लॉटरी | सोडत संध्या. 4:45 वाजता
सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 05 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 03/02/2025

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	9493	8231	6977 (महावीर लॉटरी सेंटर, कोल्हापूर)	7878	0626

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES
दुसरे बक्षिस रु. 5000/- | 1338 | 4614
तिसरे बक्षिस रु. 2000/- | 1012 | 1362 | 3372 | 6501 (श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई) | 8442
चौथे बक्षिस रु. 1000/- | 0779 | 1239 | 3671 | 4339 | 5955 | 6557 | 6649 | 6933 | 7570 | 9989
पाचवे बक्षिस रु. 500/- | 0885 | 1588 | 1966 | 2343 | 2700 | 3277 | 3491 | 4832 | 5690 | 9804
सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु. 300/-										
	0878	1589	2572	3352	4046	4894	5792	6471	7770	8505
	0904	1611	2597	3388	4048	4939	5842	6519	7774	8582
0008	0984	1641	2621	3472	4064	5003	5853	6672	7789	8750
0032	0994	1689	2632	3483	4099	5011	5951	6748	7799	8801
0104	1001	1789	2688	3552	4109	5015	5952	6824	7851	8820
0119	1009	1831	2726	3558	4142	5097	5966	6867	7948	8856
0186	1011	1885	2794	3603	4145	5212	5990	6906	7979	8897
0222	1013	2019	2826	3768	4246	5247	6001	7063	8068	9046
0304	1036	2090	2915	3785	4297	5257	6005	7071	8071	9111
0308	1039	2111	2943	3797	4378	5288	6016	7117	8088	9128
0340	1115	2112	2951	3811	4407	5359	6111	7174	8145	9130
0369	1181	2220	3014	3812	4432	5407	6256	7186	8207	9325
0470	1258	2233	3046	3833	4435	5423	6264	7197	8225	9463
0510	1297	2320	3131	3838	4440	5461	6324	7293	8294	9648
0515	1350	2365	3183	3868	4448	5547	6356	7397	8318	9768
0705	1449	2373	3322	3883	4498	5562	6376	7426	8331	9816
0764	1534	2398	3334	3985	4544	5671	6380	7463	8438	9903
0827	1547	2410	3335	4040	4844	5718	6405	7515	8449	9911
0850	1576	2472	3346	4043	4854	5737	6438	7726	8478	9930

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY | महाराष्ट्र गजराज मासिक सोडत | सोडत दिनांक 25/02/2025
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹14 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. | दुसरे बक्षिस ₹2.5 लाख (रु. 10 हजाराची 25 बक्षिसे) | तिकीट किंमत ₹20/-
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी सोम विकली लॉटरी | सोडत दिनांक 03/02/2025 | छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

मंत्रालय में एंट्री पर एफआरएस सिस्टम लागू

सुरक्षा और पारदर्शिता के लिए सरकार ने लिया फैसला

मुंबई.

मंत्रालय में प्रवेश के लिए लागू की गई फेस डिटेक्शन पर आधारित एफ.आर.एस (फेशियल रिकग्निशन सिस्टम) तकनीक के कारण अब मंत्रालय की सुरक्षा में वृद्धि होने के साथ-साथ शासकीय कार्यों में अधिक पारदर्शिता और गति आएगी। सभी शासकीय अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधि इस प्रणाली के लिए आवश्यक पंजीकरण कराएं, जिससे सभी का प्रवेश सुगम हो सके, ऐसा प्रशासन की ओर से आह्वान किया गया है।

इस प्रणाली से मंत्रालय में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित की जाएगी और अनधिकृत प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी। इससे मंत्रालय की सुरक्षा को मजबूती मिलेगी और अवांछित गतिविधियों पर भी नियंत्रण रखा जा सकेगा। साथ ही, मंत्रालय में भीड़ प्रबंधन आसान होगा और शासकीय कार्य अधिक पारदर्शी एवं सुगम बनेंगे। इस तकनीक के माध्यम से केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश मिलेगा, जिससे लोगों के कार्य तेज गति से संपन्न होंगे।

मंत्रालय की सुरक्षा व्यवस्था के तहत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फेशियल रिकॉग्निशन और आरएफआईडी कार्ड आधारित प्रवेश दिया जा रहा है। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्राप्त 10 हजार 500 अधिकारियों / कर्मचारियों की जानकारी इस प्रणाली में प्रस्तुत की गई है। कार्यान्वयन कंपनी द्वारा सभी प्रवेश द्वारों पर फेशियल रिकॉग्निशन प्रणाली स्थापित की गई है।

यह प्रणाली अब 'गो लाईव्ह' हो गई है। जनवरी 2025 से मंत्रालय के अधिकारी, कर्मचारी और संविदा कर्मचारी फेशियल रिकॉग्निशन एवं आरएफआईडी कार्ड के माध्यम से प्रवेश कर रहे हैं। मंत्रालय एक अत्यंत संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थान होने के कारण इसकी सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। इसी के तहत सरकार द्वारा मंत्रालय की आंतरिक सुरक्षा परियोजना को लागू करने का निर्णय लिया गया है।

इस सुरक्षा परियोजना को दो चरणों में लागू किया जा रहा है। मंत्रालय परिसर की एकीकृत सुरक्षा और निगरानी के तहत चरण-2 की यह परियोजना, चरण-1 का स्वाभाविक विस्तार है। मंत्रालय सुरक्षा परियोजना के दूसरे चरण के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों के कार्यान्वयन, वार्षिक रखरखाव और मरम्मत के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके साथ ही, विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 'डिजी-प्रवेश' नामक ऐप आधारित ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से मंत्रालय में प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा।

फेस डिटेक्शन पंजीकरण करना हुआ जरूरी

अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के प्रवेश के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे उनके प्रवेश में किसी प्रकार की असुविधा न हो। हालांकि, इसके लिए सभी संबंधित व्यक्तियों को फेस डिटेक्शन पंजीकरण कराना आवश्यक होगा। प्रशासन ने सभी को शीघ्र ही फेस डिटेक्शन पंजीकरण कराने का आग्रह किया है। इसके साथ-साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के फेस रीडिंग से संबंधित आवश्यक डेटा को तत्काल अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि फेस रीडिंग प्रणाली अपडेट हो सके और अधिकारी एवं कर्मचारी बिना किसी कठिनाई के मंत्रालय में प्रवेश कर सकें।

सजा पाने वाला फरार दोषी फिर गिरफ्तार

पुणे.

गोधरा ट्रेन नरसंहार मामले में आजीवन कारावास की सजा पाने वाले फरार दोषी को महाराष्ट्र के पुणे जिले में चोरी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि पुणे ग्रामीण पुलिस ने 22 जनवरी को सलीम जर्दा को गिरफ्तार किया जो 2002 के गोधरा ट्रेन नरसंहार मामले में आजीवन कारावास की सजा पाने वाले 31 दोषियों में शामिल था।

आलेफाटा पुलिस थाने के निरीक्षक दिनेश तायडे ने कहा कि ''हमने 22 जनवरी को सलीम जर्दा और उसके गिरोह के सदस्यों को चोरी के एक मामले में गिरफ्तार किया। वे पुणे के ग्रामीण इलाकों में चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। जांच में पता चला कि वह गोधरा ट्रेन नरसंहार मामले का दोषी भी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दोषी सलीम जर्दा 17 सितंबर 2024 को 7 दिन की पैरोल पर गुजरात की जेल से बाहर आया था और इसके बाद वह फरार हो गया था। फरार होने के बाद सलीम जर्दा ने चोरी की घटनाओं को अंजाम देना शुरू किया। पुलिस ने बताया कि जांच में चोरी के तीन ऐसे मामलों का खुलासा हुआ जिनमें जर्दा संलिप्त था। अधिकारी ने कहा कि ''वह अपने गिरोह के साथ गुजरात के गोधरा से पुणे जिले में आता था और चोरी की वारदात को अंजाम देता था।

सलीम जर्दा के साथ पकड़े गए आरोपियों में साहिल पठान, सुफ़ियान चनाकी, अयूब सुनठिया और इरफान दुरुवेश शामिल हैं। ये सभी गोधरा के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुणे ग्रामीण पुलिस ने आरोपियों के पास से एक टेम्पो ट्रक और चोरी का सामान बरामद किया है। इसकी कुल कीमत 14.4 लाख रुपये आंकी गई। पुणे ग्रामीण पुलिस ने आरोपियों को चोरी के मामलों की जांच के लिए नासिक के सिन्नर पुलिस को सौंप दिया।

27 फरवरी 2002 को हुआ था गोधरा कांड

बता दें कि 27 फरवरी 2002 को गुजरात के गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 डिब्बे में आगजनी करने के मामले में सलीम जर्दा और अन्य लोगों को दोषी ठहराया गया था। इस कांड में 59 लोगों की जान चली गई थी।

जन्म प्रमाणपत्र बनाने के लिए जमा किये फर्जी दस्तावेज

मुंबई.

महाराष्ट्र में जब से अवैध बांग्लादेशियों के बारे में खबरें सामने आई है तब से दस्तावेजों की भी कड़ी निगरानी की जा रही है। ताकि किसी तरह की गैरकानूनी हरकत को अंजाम न दिया जा सकें। इस बीच नासिक जिले के मालेगांव में जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज जमा करने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने अपराध के सिलसिले में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपियों में से दो को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (मालेगांव) एस जे डोलारे की अदालत में पेश किया गया, जिन्होंने अपराध को ''गंभीर प्रकृति'' का बताते हुए उन्हें चार फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ जालसाजी, धोखाधड़ी और अन्य संबंधित आरोपों के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि सोमैया ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि तीनों आरोपी बांग्लादेशी हैं। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने अदालत में कहा कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से पूछताछ की जानी चाहिए ताकि पता लगाया जा सके कि क्या कथित अपराध में किसी और ने उनकी मदद की थी।बचाव पक्ष ने कहा कि कथित अपराध चार दिसंबर से 13 दिसंबर 2024 के बीच हुआ था, लेकिन प्राथमिकी जनवरी 2025 में दर्ज की गई थी। बचाव पक्ष के वकील ने दलील दी कि चूंकि दोनों आरोपियों द्वारा प्रस्तुत सभी दस्तावेज तहसीलदार के पास हैं, इसलिए उनकी हिरासत की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि वहाब कॉलेज का छात्र है और उसके सभी दस्तावेज कॉलेज के पास उपलब्ध हैं, जबकि नजमा का नाम शादी के बाद बदल दिया गया था और तहसीलदार ने जांच के बाद उनके जन्म प्रमाण पत्र जारी किए थे।

अजंता और एलोरा

अजंता और एलोरा की गुफाएं, महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर के पास बनी हैं. ये गुफाएं प्राचीन काल की हैं और चट्टानों को काटकर बनाई गई हैं. इन गुफाओं में बनी मूर्तियां और चित्रकारी बहुत खूबसूरत हैं. ये गुफाएं, भारत के सबसे प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों में से एक हैं. अजंता की गुफाओं का निर्माण 5वीं शताब्दी के आस-पास हुआ था, जबकि एलोरा की गुफाओं का निर्माण 757-783 ईस्वी के बीच हुआ था. एलोरा की गुफाओं में बने मंदिर हिंदू, बौद्ध, और जैन धर्म को समर्पित हैं.

पहलवान पृथ्वीराज मोहोल बने महाराष्ट्र केसरी

डिप्टी सीएम अजित पवार ने सौंपी गदा

मुंबई. महाराष्ट्र केसरी प्रतियोगिता अहिल्यानगर में 2 फरवरी आयोजित की गई। पहलवान पृथ्वीराज मोहोल ने पहलवान महेंद्र गायकवाड़ को हराकर महाराष्ट्र केसरी का खिताब जीत लिया है। इस मुकाबले में पुणे के पहलवान पृथ्वीराज मोहोल इस साल के महाराष्ट्र केसरी के विजेता बन गए हैं। पहलवान पृथ्वीराज मोहोल ने फाइनल राउंड जीतकर 67वें महाराष्ट्र केसरी टूर्नामेंट की गदा जीत ली है। पुणे के पहलवान पृथ्वीराज मोहोल को इस वर्ष का महाराष्ट्र केसरी पुरस्कार मिलने पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार, केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, मंत्री दत्तात्रेय भरणे, विधान परिषद के सभापति राम शिंदे और जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने पहलवान पृथ्वीराज मोहोल को चांदी की गदा और थार गाड़ी भेंट की।इस दौरान उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने आश्वासन दिया कि राज्य में खेलों के विकास को बढ़ावा देते हुए प्रत्येक खेल के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मैट वर्ग में, नांदेड़ के डबल महाराष्ट्र केसरी शिवराज रक्से और पुणे जिले के पृथ्वीराज मोहोल के बीच मुकाबला हुआ। पृथ्वीराज मोहोल विजेता बने। अंतिम मुकाबला मृदा श्रेणी में सोलापुर जिले के महेंद्र गायकवाड़ और परभणी के साकेत यादव के बीच था। इस मुकाबले में महेंद्र गायकवाड विजेता बनकर उभरे।

प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि राज्य में खेल प्रेमियों ने इस प्रतियोगिता को अच्छी प्रतिक्रिया दी है। प्रतियोगिता के पुरस्कार भी बड़े हैं। राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए भी प्रयास कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार हर खेल के विकास में सहयोग करेगी और अहिल्यानगर में खेलों के विकास के लिए भी आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि यह एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है। स्वर्गीय मामासाहेब मोहोल ने इस प्रतियोगिता की शुरुआत की थी। तब से यह परंपरा निरन्तर बढ़ती जा रही है, जिससे राज्य में कुश्ती का गौरव बढ़ता जा रहा है। महाराष्ट्र कुश्ती का उद्गम स्थल है।

लाड़की बहिन ने राज्य की अर्थव्यवस्था पस्त की

कई योजनाओं पर लगा ब्रेक

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में गेम चेंजर साबित हुई लाड़की बहिन योजना के कारण राज्य सरकार की तिजोरी पूरी तरह से खाली हो गई है। ऐसा दावा अब तक कई बार किया जा चुका। हालांकि, सरकार ने हर बार तमाम दावों को खारिज कर दिया था। लेकिन अब जानकारी सामने आई है कि लाड़की के कारण सरकार के विकास कार्यों पर ब्रेक लगने लगा है। इसके कारण कई योजनाएं रोकनी पड़ गई हैं और अब उन पर पूरी तरह से ब्रेक लगने का खतरा मंडराने लगा है। क्योंकि ठेकेदार संगठनों ने ठेकेदारों के बकाए का जल्द से जल्द भुगतान की मांग करते हुए भुगतान न होने पर काम ठप करने की चेतावनी दे दी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने 26 जनवरी 2025 से पहले लाड़की बहन योजना की लगभग ढाई करोड़ लाभार्थी महिलाओं को सातवीं किस्त का भुगतान किया था। जिस पर 3700 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। अब सरकार 8वीं किस्त के भुगतान के लिए जुगाड़ में लगी है लेकिन लाड़की के कारण सरकारी खजाना खाली हो गया है। दूसरी कई योजनाओं के क्रियान्वयन में सरकार को परेशानी हो रही है। रिपोर्टों के अनुसार राज्य में सूक्ष्म सिंचाई सहित कई योजनाओं में धन का अभाव देखने को मिल रहा है। 52 से अधिक किसान सब्सिडी से वंचित हैं। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से वर्ष 2023-24 के लिए 716 करोड़ रुपए की सब्सिडी रोक दी है।

इसी दौरान अब सरकार की विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रहे ठेकेदारों ने सरकार को काम बंद करने की चेतावनी दी है। ठेकेदार संगठनों का दावा है कि ठेकेदारों के 89 हजार करोड़ रुपए के बिल सरकार के पास फंड के अभाव की वजह से बकाया हैं। विभिन्न विकास कार्यों के इन बकाया बिलों का भुगतान सरकार ने जुलाई 2024 से नहीं किया। क्योंकि जुलाई 2024 से ही सरकार ने लाभार्थी महिलाओं को लाड़की बहन योजना के पैसे का भुगतान शुरू किया था। ऐन विधानसभा चुनाव से पहले लाई गई लाड़की बहन योजना की पहली तीन किस्त के पैसों का भुगतान सरकार ने एक साथ किया था। ठेकेदार संघ (एमएससीए) ने 30 जनवरी को सरकार को दूसरा पत्र भेज कर ठेकेदारों की बकाया रकम के भुगतान की मांग की है। एमएससीए के प्रदेश अध्यक्ष मिलिंद भोसले ने मीडिया से कहा कि ठेकेदारों को 8 महीने से पैसा नहीं मिला है। हमने 14 जनवरी को पत्र लिखा था लेकिन सरकार जवाब नहीं दिया। लेकिन यदि इस बार सरकार अनदेखी करेगी तो 5 फरवरी से काम बंद कर सकते हैं। इस बारे में 4 फरवरी की बैठक में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर लाई गई 'लाड़की बहन योजना' की बदौलत बीजेपी नीत महायुती महाराष्ट्र की सत्ता में फिर से काबिज होने में कामयाब हो गई है। लेकिन इस योजना के कारण राज्य सरकार की आय की तुलना में व्यय बढ़ गया है। नतीजतन राज्य का राजकोषीय घाटा 2 लाख करोड़ के पार पहुंच गया है।

महायुति में बनी सहमति

निकाय चुनाव से पहले होगा फैसला

मुंबई. विधानसभा चुनाव 2024 में ऐतिहासिक सफलता मिलने से महायुति सरकार में शामिल बीजेपी, शिवसेना (शिंदे गुट) एवं राकां (अजित पवार) पार्टी की मांग बढ़ गई है। निकट भविष्य में होनेवाले मनपा (निकाय) चुनाव के मद्देनजर विपक्षी गठबंधन में बड़े प्रमाण में पलायन देखने को मिल रहा है। लेकिन सिर्फ विपक्ष के नेता ही पलायन कर रहे हैं ऐसा नहीं है, बल्कि महायुति के घटक दलों के कई नाराज नेता महायुति के अंदर ही दल बदलने को कोशिशों में जुटे हैं। अपने नेताओं की ऐसी कोशिशों पर लगाम लगाने की निर्णय महायुति के घटक दलों के प्रमुख नेताओं ने लिया है। मुंबई में हाल ही में महायुति के प्रमुख नेताओं की एक बैठक के दौरान आपस में एक दूसरे की पार्टी नहीं तोड़ने की सहमति महायुति में बन गई है। लोकसभा एवं विधानसभा 2024 के खत्म होने के बाद कम से कम अगले पांच साल तक सरकारी पावर और समर्थन का सुख भोगने की चाह रखनेवाले विपक्ष के नेताओं में महायुति के घटक दलों में जाने की होड़ लगी है।

भुजबल के भाजपा प्रवेश पर खतरा

महायुति के नेताओं के नए निर्णय से राकां के वरिष्ठ नेता व विधायक छगन भुजबल का बीजेपी में प्रवेश खतरे में पड़ गया है। भुजबल देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्ववाली महायुति सरकार में मंत्री पद नहीं मिलने से अपनी पार्टी के नेता व उपमुख्यमंत्री अजित पवार से नाराज हैं। भुजबल के बीजेपी में जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि फडणवीस उन्हें मंत्रिमंडल में चाहते थे। इतना ही नहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नासिक दौरे के समय भी भुजबल उनके बगल में बैठे थे इस दौरान उनके बीच काफी देर तक चर्चा चली थी।

कांग्रेस में शामिल होंगे संजय राउत

मुंबई. शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत अब तक अपने शब्दों से अपनी पार्टी की ओर से सत्तारूढ़ दल से मुकाबला करते रहे और अपनी पार्टी को बचाने की कोशिश करते रहे लेकिन अब वह खुद पार्टी छोड़ने की सोच रहे हैं। ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जिसने सभी को हैरान कर दिया है। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने रविवार को दावा किया कि शिवसेना (उभयचर) नेता संजय राउत कांग्रेस में शामिल होने के लिए दिल्ली में एक नेता के साथ बातचीत कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता नितेश राणे ने कहा कि संजय राउत का राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के पास उन्हें एक और कार्यकाल जीतने के लिए पर्याप्त विधायक नहीं हैं। महाराष्ट्र में पिछले साल नवंबर में हुए चुनावों में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने 288 सदस्यीय विधानसभा में 20 सीटें जीती थीं। नितेश राणे ने संवाददाताओं से कहा, "राउत को 'सामना' (उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी का मुखपत्र) में लिखना चाहिए कि वह कब तक शिवसेना (उभयचर) में रहेंगे। उन्हें उस नेता के बारे में लिखना चाहिए, जिसके साथ वह दिल्ली में कांग्रेस में शामिल होने के लिए बात कर रहे हैं।

लोन चुकाने को लेकर व्यक्ति ने की आत्महत्या

मुंबई. ठाणे जिले में 38 वर्षीय एक व्यक्ति ने 1.8 लाख रुपये लोन चुकाने को लेकर परेशान किए जाने के बाद आत्महत्या कर ली. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. फिलहाल पुलिस ने मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया है. वहीं, पुलिस ने पिछले महीने हुई इस घटना के संबंध में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जानकारी के मुताबिक मृतक अमीन शेख ने आरोपियों से 1.80 लाख रुपये का लोन लिया था. गणेशपुरी पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि अतिरिक्त ब्याज सहित कुल 3.30 लाख रुपये चुकाने के बावजूद, आरोपी ने कथित तौर पर उसे और पैसे के लिए परेशान करना और धमकाना जारी रखा. गंभीर संकट में फंसे व्यक्ति ने 14 जनवरी को गणेशपुरी इलाके में अपने घर में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी. घटना के बाद पीड़ित के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और शुरू में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया.

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। आपको बिजनेस में चुटपुट लाभ की योजना पर भी ध्यान देना होगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए लेन-देन से संबंधित मामलों में ध्यान देने के लिए रहेगा। आप अपने घर किसी पूजा-पाठ का आयोजन कर सकते हैं।

मिथुन -आज का दिन आपके लिए कन्फ्यूजन भरा रहने वाला है। आपका मन किसी काम को करने का तो करेगा,

कर्क-आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है, लेकिन आपको किसी गलत तरीके से धन कमाने से बचना होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा। राजनीतिक कार्यों में आप बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे,

कन्या -आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको जल्दबाजी में कोई काम करने से बचना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए प्रभाव और प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपका कोई संपत्ति संबंधित मामला सुलझ जाएगा।

वृश्चिक-आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के मान सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए व्यवसाय के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। बड़ों का सहयोग आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। परिवार में खुशियां आएंगी।

कुंभ -आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। भाई-बहनों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए बुद्धि और विवेक से निर्णय लेने के लिए रहेगा।

'बजट तभी फायदेमंद जब महाराष्ट्र में चुनाव हो'

जितेंद्र आव्हाड ने मोदी सरकार पर कसा तंज

ठाणे. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता जितेंद्र आव्हाड ने केंद्रीय बजट 2025 और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बजट महाराष्ट्र के लिए केवल चुनाव के समय फायदेमंद है और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के प्रयास सफल होते नहीं दिख रही हैं। शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि "बजट तभी फायदेमंद है जब महाराष्ट्र में चुनाव हों। बजट पर दोनों के अलग-अलग विचार हैं। अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के निर्मला सीतारमण के प्रयास सफल होते नहीं दिख रही हैं। जितेंद्र आव्हाड ने स्कूली बच्चों के लिए मिड-डे मील से अंडे बंद करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि "अंडे शरीर को मजबूत बनाने के लिए दिए जाते हैं क्योंकि उनमें प्रोटीन होता है। उन्हें (महायुति) पता होना चाहिए कि बासुंदी और जलेबी जैसी मिठाइयां खाना हानिकारक है या नहीं।" 31 जनवरी को आव्हाड ने योजना को बंद करने के विरोध में ठाणे के जिला मजिस्ट्रेट को अंडे भी भेंट किए थे। शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने भी केंद्रीय बजट की आलोचना करते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा पेश किया गया हर बजट चुनावी पैकेज होता है। उन्होंने कहा कि इस बार बजट का केंद्र बिंदु बिहार था। संजय राउत ने से कहा कि "बिहार में चुनाव होने वाले हैं और मोदी सरकार का हर बजट चुनावी पैकेज होता है। इस बार, क्योंकि बिहार में चुनाव है, इसलिए उन्होंने राज्य को अधिकतम राशि आवंटित की है। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस बीच शनिवार यानी 1 फरवरी को को अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बिहार के लिए कई योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने पटना हवाई अड्डे की क्षमता का विस्तार करने और बिहटा में ब्राउनफील्ड हवाई अड्डे के निर्माण के अलावा बिहार में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे विकसित करने की घोषणा की। वित्त मंत्री ने बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में पश्चिमी कोसी नहर ईआरएम परियोजना पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि "पश्चिमी कोसी नहर ईआरएम परियोजना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जिससे बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में 50,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर खेती करने वाले बड़ी संख्या में किसानों को लाभ होगा।

एयरपोर्ट पर मर्सिडीज ने मारी टक्कर

मुंबई. अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे एक मर्सिडीज कार ने दो विदेशी नागरिकों समेत पांच लोगों टक्कर मार दी, जिससे पांचों लोग घायल हो गए. ये घटना रविवार सुबह की है. जिसकी जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी. एक अधिकारी ने बताया कि लक्जरी कार एक यात्री को छोड़ने के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आई थी. इसी दौरान कार चालक ने गाड़ी पर से अपना नियंत्रण खो दिया, जिस वजह से ये घटना हो गई. अधिकारी ने अपने बयान में बताया कि हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 की पार्किंग में यह घटना हुई थी.

सुविचार

मन ऐसा पवित्र स्थान है, जहां आपकी अनुमति के बिना कोई बुरी चीज प्रवेश नहीं कर सकती

संपादकीय

'रेवड़ियों' को जारी रखने की गारंटी

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की मुफ्त की योजनाओं को जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेवड़ी करार दिया था, आम आदमी पार्टी के संक्षिप्त रूप आप में दा जोड़कर आप-दा बोलने लगे हैं. मोदी की ही तरह हर बीजेपी नेता मौजूदा सरकार को आप-दा कह कर बुलाने लगा है. दिल्ली में चुनाव कैंपेन के तहत मोदी ने आरकेपुरम की रैली में कहा कि आप-दा पार्टी ने दिल्ली के 11 साल बर्बाद कर दिये हैं. बोले, दिल्ली के हर परिवार से मेरी प्रार्थना है. हमें आप सबकी, दिल्लीवासियों की सेवा का मौका जरूर दें. मैं गारंटी देता हूं, आपकी हर मुसीबत, हर परेशानी को समाप्त करने के लिए खप जाऊंगा. साथ ही, मोदी ने दिल्ली में झुग्गियां न तोड़े जाने की भी गारंटी दी, और दिल्ली में पहले से चल रही कल्याणकारी योजनाओं को भी बीजेपी की सरकार बनने पर बंद न किये जाने की गारंटी दी है. केंद्रीय मंत्री अमित शाह भी गरीबों के लिए चल रही कल्याणकारी योजनाओं को बंद न किये जाने के लिए पहले से ही आश्वस्त कर रखा है.

प्रधानमंत्री मोदी ने अरविंद केजरीवाल पर बीजेपी के सत्ता में आने पर झुग्गियां तोड़ दिये जाने को लेकर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया है. दिल्ली में चुनाव कैंपेन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बीजेपी के सत्ता में आ जाने पर मुफ्त की योजनाएं बंद कर दिये जाने और झुग्गियां तोड़ डालने के लगातार आरोप लगाते रहे हैं. और ऐसी सारी बातों को अपनी तरफ से काउंटर करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने साफ किया है कि दिल्ली में जनहित की कोई भी योजना बंद नहीं की जाएगी, अगर बीजेपी दिल्ली में चुनाव जीतकर सरकार बनाने में कामयाब होती है. आम आदमी पार्टी ने चुनाव घोषणा पत्र 'केजरीवाल की गारंटी' के नाम से ही जारी किया है. पिछले चुनावों में मोदी की गारंटी भी सुनी जाती रही है, और दिल्ली चुनाव में भी मोदी के मुंह से ही गारंटी शब्द सुनने को मिल रहा है. बीजेपी नेता मोदी की गारंटी को काम होने की गारंटी कह कर लोगों को समझाते रहे हैं, लेकिन ऐसा भी देखने को मिला है कि बीजेपी की जीत की गारंटी भी नहीं होती है.

ये गारंटी-गारंटी का खेल क्या है: आम आदमी पार्टी तो मैनिफेस्टो ही 'केजरीवाल की गारंटी' के नाम से जारी कर चुकी है, अब भारतीय जनता पार्टी की तरफ से भी दिल्ली के चुनावी मार्केट में 'मोदी की गारंटी' आ गई है. दिल्ली की एक रैली में मोदी कह रहे थे, 8 फरवरी को दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी. 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है. 8 मार्च तक, दिल्ली की बहनों के खातों में 2,500 रुपया पहुंचना शुरू हो जाएगा. बहनों को सस्ता सिलेंडर भी मिलेगा, और पाइप से गैस पहुंचाने का काम भी तेज होगा. दिल्ली की बहनों के घर में भाजपा सरकार नल से शुद्ध जल भी पहुंचाएगी और ये मोदी की गारंटी है.

राम मंदिर से कुंभ मेले तक: कितनी बार, कितनी हार ?

डॉ.सलीम ख़ान, मुंबई

राम मंदिर के बाद कुंभ मेले को राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश भी नाकाम हो गई। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठान के बाद 'अबकी बार चार-सौ पार' का नारा लगा था। इस बार कुंभ मेले से पहले ही सारे देश में योगी और मोदी के लाखों बैनर लगाकर बुलाने की मुहिम छेड़ दी गई। एक जॉली नरेटिव के तहत यह शोशा छोड़ा गया कि 144 साल बाद यह महाकुंभ आया है। सैकड़ों साल से हर बारह साल में इलाहाबाद के संगम पर कुंभ का मेला लगता है, इसलिए यह दावा निराधार था, फिर भी झूठ में बहकर लाखों लोग प्रयागराज की ओर चल पड़े। यह देखकर भगवा टोले ने एलान कर दिया कि अबकी बार 40 करोड़ लोग आएँगे और 100 करोड़ लोगों का प्रबन्ध किया गया है। ढाई गुना ज़्यादा प्रबन्धों की ख़ातिर सरकारी खज़ाने से 17 हज़ार करोड़ रुपये निकालकर कुछ तो वीआईपी श्रद्धालुओं की सुख-सुविधाओं पर ख़र्च किया गया और कुछ आपस में बाँटकर खा गए, लेकिन आगे चलकर झूठ के साझे की यह हाँडी बीच चौराहे पर फूट गई।

कुंभ मेले का आरम्भ मुस्लिम-दुश्मनी और उनपर प्रतिबन्ध की ख़बरों से हुआ। अब मेले से आनेवाली बाबाओं की नंग-धड़ंग वीडियोज़ और दुर्घटनाओं का विवरण देखकर वहाँ जाने के इच्छुक मुसलमान इस्लाम-दुश्मनों का शुक्रिया अदा कर रहे हैं। इस दौरान उत्तर प्रदेश के भगवाधारी मुख्यमंत्री पर मुम्बईया ज़बान का मुहावरा 'खाया पिया कुछ नहीं, गिलास फोड़ा बारह आना' फ़िट हो गया। महाशय ने कुंभ के द्वारा मिल्कीपुर में उप चुनाव जीतकर अयोध्या की हार का बदला लेने की योजना बनाई। इसके अलावा दो साल बाद आयोजित होनेवाले राज्य स्तरीय चुनावों में भी चूँकि अयोध्या का राम मंदिर तो काम नहीं आ सकेगा, इसलिए कुंभ के मेले में डुबकी लगाकर अपने सारे पाप धोने और संगम पर अपनी राजनीतिक नैया पार लगाने का प्रयास करने की कोशिश की। मोदी ने भी बड़ी चालाकी से दिल्ली में पोलिंग के दिन डुबकी लगाकर कुंभ का भरपूर इस्तेमाल करने की योजना बना ली, लेकिन क़ुदरत की मर्ज़ी ने सारे किए-धरे पर पानी फेर दिया। ऐसे में इन दोनों पर मीर का यह मशहूर शेर संशोधन के साथ फ़िट हो गया- उलटी हो गईं सब तदबीरें कुछ न दवा ने काम किया. कुंभ के इस मेले ने आख़िर उनका काम तमाम किया ऐतिहासिक आंकड़ों के मुताबिक़ भारत में धार्मिक त्योहारों के समय मंदिरों में यात्रियों का भगदड़ के कारण जान गँवाना कोई नई बात नहीं है।

इस घटना से कुछ दिन पहले, जनवरी 2025 में आँध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर में भगदड़ में 6 लोग मारे गए थे। इससे पहले जुलाई 2024 के अंदर, ख़ुद उत्तर प्रदेश में एक बाबा को देखने के लिए जमा होनेवाली भीड़ में भगदड़ मचने से 121 लोगों ने अपनी जान गँवाई थी। 2022 में वैष्णोदेवी मंदिर के अंदर भगदड़ 12 लोगों की मौत का कारण बनी थी। 2013 में मध्य प्रदेश के अंदर एक त्योहार के दौरान 115 लोग मारे गए थे। वर्तमान भारतीय इतिहास की सबसे दुखद भगदड़ 1 जनवरी 2008 को जम्मू-कश्मीर के वैष्णोदेवी मंदिर में हुई थी, जहाँ भगदड़ मचने से 150 से अधिक लोग मारे गए थे और महाराष्ट्र के नासिक में 2004 में लगभग 300 लोगों को मौत के मुँह में जाना पड़ा था। अक्तूबर 2012 में बिहार के पटना में रावण का पुतला जलानेवाली भीड़ के 30 से अधिक लोग मारे गए थे। कुंभ के मेले में भी दुर्घटनाएँ हमेशा होती रहे हैं। 1986 में हरिद्वार के अंदर कुंभ मेले की भगदड़ 200 लोगों की मौत का कारण बनी थी। 2003 में नासिक कुंभ की भगदड़ ने 39 जानें ली थीं। 2010 में हरिद्वार कुंभ मेले के दौरान साधुओं और श्रद्धालुओं के दरमियान टकराव के बाद भगदड़ की वजह से 7 लोग मारे गए थे।

इलाहाबाद ही के अंदर 2013 के कुंभ मेले में रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के कारण कम-से-कम 36 श्रद्धालु मारे गए थे, लेकिन न तो कभी मुख्यमंत्री को इस तरह दोषी ठहराया गया और न उनसे त्यागपत्र माँगा गया। इस बार पहले कुंभ मेले का इस्तेमाल राजनीतिक क़द बढ़ाने के लिए किया गया और बाद में घटित होनेवाली घटनाओं की आड़ लेकर राजनैतिक प्रतिद्वंद्व का हिसाब-किताब चुकाया गया। बीजेपी अपने मुख्यमंत्रियों को हटाने की समर्थक नहीं है। उसने अभी तक मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को नहीं बदला ऐसे में योगी आदित्यनाथ के ख़िलाफ़ चलाई जानेवाली मुहिम में शक की सूई अमित शाह की ओर घूम जाती है। कुंभ के मेले का इस्तेमाल अगर योगी जी अपने फ़ायदे के लिए कर सकते हैं तो शाह जी क्यों नहीं कर सकते? मोदी जी के दुख व्यक्त करने को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखना चाहिए कि जिस प्रधानमंत्री ने अभी तक मणिपुर पर हमदर्दी का एक शब्द नहीं कहा, आख़िर वह गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करके घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना क्यों कर रहा है? कुंभ मेले की दुर्घटना में 30 लोगों की मौत और 90 लोगों का घायल होना अविश्वसनीय है।

फ़ोरपीएम न्यूज़ ने अपने सूत्रों से 70 की पुष्टि की है। सरकार ने स्वीकार करने में 16 घंटे लगाकर मारे जानेवालों की संख्या को स्वयं ही सन्दिग्ध कर दिया। कुंभ में 1500 लापता लोगों की शिकायत मिली है, हालाँकि एक बड़ी संख्या को शिकायत दर्ज करवाने से पहले प्रशासन द्वारा मेले से कहीं दूर बस से ले जाकर फेंक दिया गया। इस तरह परेशान हाल श्रद्धालुओं को जिन्हें सब्ज़-बाग़ दिखाकर बुलाया गया था अपने परिजनों की तलाश से बलपूर्वक वंचित करके दुख के रेगिस्तान में छोड़ दिया गया। विपक्ष ने महाकुंभ में कुव्यवस्था, वीआईपी कल्चर और मुख्यमंत्री के अपने प्रचार-प्रयासों को दुर्घटना की वजह क़रार देकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के त्यागपत्र की माँग करके प्रबन्ध फ़ौज को सौंपने की सलाह दे डाली। साधु-संत बहुत पहले से यह माँग करते रहे हैं। आगे चलकर अगर ऐसा हो जाए तो न केवल योगी की अयोग्यता पर मुहर लग जाएगी, बल्कि उनपर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को वरीयता प्राप्त हो जाएगी। यह मोदी और योगी दोनों को गवारा नहीं है। समय के साथ यह वास्तविकता भी खुल गई कि भगदड़ की दुर्घटना संगम के अलावा अन्य दो स्थानों पर भी हुई। घटनास्थल पर कई घंटों तक लाशें पड़ी रहीं। जिनके अपने मर चुके थे, वे चीख़-पुकार करते रहे। विलाप करनेवाले प्रभावितों का हाल पूछने के बजाय आज़माइश की इस नाज़ुक घड़ी में उनको बुलानेवाला योगी दिल्ली में अपनी पार्टी का प्रचार कर रहा था।

'लल्लन टॉप' नामक चैनल ने घोसी के अंदर हल्दीराम की एक दुकान से अपना प्रोग्राम प्रसारित करते हुए वहाँ छुपाई जानेवाली भगदड़ के बाद तितर-बितर भीड़ के सामान को बुलडोज़रों से हटाने की वीडियो प्रसारित करके खलबली मचा दी। किसी ने सोचा भी नहीं था कि बुल्डोज़र बाबा को अपनी कोताही छिपाने के लिए जेसीबी का यह इस्तेमाल भी करना पड़ेगा। हल्दीराम की दुकान पर काम करनेवालों के बयान को सुनकर रौंगटे खड़े हो जाते हैं। वहाँ मौजूद नेहा ओझा ने बताया कि पंद्रह लाख की भीड़ उनकी दुकान की ओर टूट पड़ी।

उसने दरवाज़ा तोड़ दिया और एक लाख सत्तर हज़ार की रक़म भी लूटकर ले गए। उस लड़की ने रोते हुए कहा वह जिस कोने में खड़ी थी, अगर भीड़ वहाँ आ जाती तो वह भी एक लाश होती। नेहा बोली, "ये अत्यन्त पत्थर दिल और क्रूर लोग हैं।" उसकी दुकान के आगे दो लाशें पड़ी थीं उसके बावजूद कोई कुरकरे तो कोई नमकीन माँग रहा था। लाशों के दरमियान ग्राहकों के दरमियान कुछ लोग पूछ रहे थे रसगुल्ला है क्या? नेहा ने बताया कि प्रशासन ने उनकी मदद के लिए दो कांस्टेबल भेजे उनमें से एक महिला थी और वह ख़ुद भी बेसहारा थे। वह सवाल करती है कि सौ करोड़ लोगों का प्रबन्ध कहाँ गया? प्रशासन का सारा ध्यान इन दुर्घटनाओं को छिपाने पर केन्द्रित था। कुंभ मेले को एक राजनैतिक यंत्र बनाकर इस अवसर से अपनी आपदा दूर करने की कोशिश करनेवाले राजनेता ग़ायब थे और इसकी क़ीमत ग़रीब जनता चुका रही थी। इस आपा-धापी की हालत में जब प्रशासन ने कुंभ मेले में आनेवालों को निकालना शुरू किया, तो इलाहाबाद के मुसलमान उनके ख़िलाफ़ फैलाई जानेवाली नफ़रतअंगेज़ी को भुलाकर मुसीबत के मारों की मदद के लिए आगे आए। उन्होंने न केवल ठंडी से ठिठुरते हुए लोगों को कम्बल बिस्तर दिया, बल्कि भूखों को खाना भी खिलाया। परेशान हाल महिलाओं को अपने घरों में शौचालय इस्तेमाल करने की इजाज़त दी और ठंड से बचने के लिए सभी को चाय पिलाई। मसजिदों के दरवाज़े मुसीबत के मारों के लिए खोल दिए गए।

इलाहाबाद के मुसलमानों ने दीने-इस्लाम का तक़ाज़ा पूरा करके अपनी नैतिक श्रेष्ठता साबित कर दी और साम्प्रदायिक तत्वों के गाल पर वह ज़न्नाटेदार तमाँचा मारा कि जिसकी गूँज देर तक और दूर तक सुनाई देगी। गोदी मीडिया सहित सारा सोशल मीडिया उनकी प्रशंसा में मग्न है। यह सारे जहान के लिए दयालु नबी (सल्ल.) का अनुकरण है कि उन्होंने मक्कावालों के लिए अकाल के समय में दुआ की और बारिश होने लगी, इससे उन्हें सख़्त मुसीबत से मुक्ति मिली बक़ौल हाली, वो नबियों में रहमत लक़ब पानेवाला, मुसीबत में ग़रीबों की बर लानेवाला, वो अपने पराए का ग़म खानेवाला. -(अनुवादक : गुलज़ार सहराई)

आस्था

सूर्य देव की रथयात्रा का शुभारंभ रथ सप्तमी

सनातन धर्म में रथ सप्तमी पर्व का विशेष स्थान है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान सूर्य अपने रथ को सात घोड़ों के साथ चलाना प्रारंभ करते हैं। कहा जाता है कि इसी दिन से उन्होंने संसार को ज्ञान प्रदान करना शुरू किया था, इसलिए इसे सूर्य देव के जन्मोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। यह दिन गर्मी के आगमन का संकेतक माना जाता है और कृषि कार्यों के लिए शुभ माना जाता है।

इस दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। सूर्य देव को अर्घ्य देने के लिए जल में गंगा जल, अक्षत, तिल, रोली एवं दूर्वा मिलाकर अर्पित करें। अर्घ्य देते समय 'ॐ घृणि सूर्याय नमः' मंत्र का उच्चारण करें। इसके बाद सूर्य चालीसा, सूर्य कवच का पाठ करें और उनकी आरती उतारें। पूजा के उपरांत बहते जल में काले तिल प्रवाहित करना और दान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दिन को आरोग्य सप्तमी भी कहा जाता है, क्योंकि मान्यता है कि इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने से चर्म रोगों और अन्य शारीरिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। यह दिन दान-पुण्य के लिए भी विशेष महत्व रखता है, जिससे पूर्व जन्मों के पापों का नाश माना जाता है। रथ सप्तमी के दिन व्रत रखने का भी विधान है. व्रत रखने वाले लोग दिन भर उपवास रहते हैं और शाम को व्रत का पारण करते हैं. सूर्य देव स्वास्थ्य और शक्ति के देवता हैं. उनकी पूजा करने से शरीर स्वस्थ रहता है और शक्ति मिलती है. सूर्य देव आयु के देवता भी माने जाते हैं. उनकी पूजा करने से आयु में वृद्धि होती है. सूर्य देव की कृपा से जीवन में लोगों को सफलता प्राप्त होती है. रथ सप्तमी का पर्व सूर्य देव की कृपा प्राप्त करने का एक अच्छा अवसर है. इस दिन उनकी पूजा करने से जीवन में उन्नति और समृद्धि आती है. सूर्योदय से पूर्व स्नान करना अनिवार्य माना गया है। स्नान के बाद सूर्य देव को अर्घ्य देकर विधिवत पूजा करें। लाल पुष्प, धूप, कपूर एवं घी का दीप जलाकर सूर्य देव की आराधना करें। इस दिन महिलाएं अपने घर के आंगन में सूर्य देव के रथ का चित्र बनाकर उनका स्वागत करती हैं। कई स्थानों पर मिट्टी के बर्तनों में दूध रखकर सूर्य की किरणों में गर्म करने की परंपरा है, जिसे बाद में प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है।

कथा

बेवकूफ मामो

सुषमा गुप्ता

इथियोपिया के एक गाँव में मामो नाम का एक लड़का अपनी माँ के साथ रहता था। उसके पिता नहीं थे। मामो की माँ बहुत ही गरीब थी इसलिये वह अपनी माँ की सहायता करना चाहता था। एक दिन वह एक किसान के पास गया और उससे उसे कुछ काम देने के लिए कहा। किसान भला था उसने मामो को अपने खेत पर कुछ काम दे दिया। जब मामो ने अपना काम खत्म कर लिया तो किसान ने उसके काम के बदले में उसको कुछ पैसे दिए। जब मामो घर वापस जा रहा था तो उसने वे पैसे रास्ते में फेंक दिए। जब मामो घर पहुंचा तो उसने अपनी माँ को बताया कि आज उसने एक किसान के पास काम किया था। माँ ने पूछा तो उसने तुम्हें पैसे दिये होंगे। तुम्हारे वे पैसे कहाँ हैं? मामो बोला वह तो मैंने फेंक दिये। इस पर उसकी माँ बहुत नाराज हुई और बोली- "आगे से ऐसा कभी नहीं करना बल्कि जिसके लिये तुम काम करो वह अगर तुम्हें कुछ दे तो उसको अपनी जेब में रख कर लाना।" अगले दिन मामो फिर उसी किसान के पास गया और फिर उसका काम किया। काम खत्म होने के बाद किसान ने उस दिन उसको उसके काम के बदले में कुछ मक्खन दिया। अपनी माँ की बात याद करके मामो ने वह मक्खन अपनी जेब में डाल लिया। रास्ते में गरमी थी सो घर आते आते वह मक्खन पिघल गया। जेब में से मक्खन पिघल पिघल कर टपकता रहा। मक्खन भी गया और उसके सब कपड़े भी खराब हो गये। जब मामो की माँ ने यह सब देखा तो वह मामो पर फिर बहुत नाराज हुई और बोली-"मामो, इस तरह तुम मेरी सहायता नहीं कर रहे हो।" मामो भी यह सुन कर बहुत दुखी हुआ क्योंकि वह सचमुच ही माँ की सहायता करना चाहता था। उसने माँ से कहा कि अगली बार वह ख्याल रखेगा। अगले दिन जब मामो ने अपना काम खत्म किया तो उस किसान ने मामो को कुछ माँस दिया। मामो ने उस माँस को रस्सी से बाँधा और उसको जमीन पर घसीटते हुए घर की तरफ चल दिया। कुछ कुत्तों ने वह माँस देखा तो वे मामो के पीछे लग गये और उन्होंने उसका सारा माँस खा लिया। जब तक मामो घर पहुंचा तब तक उस माँस में से कुछ भी नहीं बचा था। उसकी माँ यह देख कर फिर बहुत नाराज हुई और बोली "अगली बार तुमको जो कुछ मिले अपने कंधे पर रख कर लाना। समझे।" अगले दिन किसान ने मामो से कहा "कि वह उसके गधे को नदी पर नहलाने के लिये ले जाये।" मामो को अपनी माँ के शब्द याद आये तो उसने उस गधे को अपने कंधे पर रख लिया और नदी की तरफ चल पड़ा।

रावण का चेहरा

हर साल की तरह इस साल भी वह रावण का पुतला बना रहा था। विशेष रंगों का प्रयोग कर उसने उस पुतले के चेहरे को जीवंत जैसा कर दिया था। लगभग पूरा बन चुके पुतले को निहारते हुए उसके चेहरे पर हल्की सी दर्द भरी मुस्कान आ गयी और उसने उस पुतले की बांह टटोलते हुए कहा, "इतनी मेहनत से तुझे ज़िन्दा करता हूँ... ताकि दो दिनों बाद तू जल कर खत्म हो जाये! कुछ ही क्षणों की जिंदगी है तेरी..." कहकर वह मुड़ने ही वाला था कि उसके कान बजने लगे, आवाज़ आई, "कुछ क्षण? वह एक भारी स्वर था जो उसके कान में गुंजायमान हो रहा था, वह जानता था कि यह स्वर उसके अंदर ही से आ रहा है। वह आँखें मूँद कर यूं ही खड़ा रहा, ताकि स्वर को ध्यान से सुन सके। फिर वही स्वर गूंजा, "तू क्या समझता है कि मैं मर जाऊँगा? वह भी मन ही मन बोला, "हाँ! मरेगा! समय बदल गया है, अब तो कोई अपने बच्चों का नाम भी रावण नहीं रखता।" उसके अंदर स्वर फिर गूंजा, "तो क्या हो गया? रावण नहीं, अब राम नाम वाले सन्यासी के वेश में आते हैं और सीताओं का हरण करते हैं. नाम राम है लेकिन हैं मुझसे भी गिरे हुए. उसकी बंद आँखें विचलित होने लगीं और हृदय की गति तेज़ हो गयी उसने गहरी श्वास भरी, उसे कुछ सूझ नहीं रहा था, स्वर फिर गूंजा, "भूल गया तू, कोई कारण हो लेकिन मैनें सीता को हाथ भी नहीं लगाया था और किसी राम नाम वाले बहरूपिये साधू ने तेरी ही बेटी.बस...!! वह कानों पर हाथ रख कर चिल्ला पड़ा। और उसने देखा कि जिस पुतले का जीवंत चेहरा वह बना रहा था, वह चेहरा रावण का नहीं बल्कि किसी ढोंगी साधू का था।

वायरल है वायरल

दीपक गिरकर

रोज सवेरे मैं जल्दी उठ जाता हूँ लेकिन जब आज मैं जल्दी नहीं उठा तो श्रीमती जी ने मुझे उठाते हुए कहा 'कब तक सोते रहोगे? आज बैंक नहीं जाना है क्या? कहीं बुखार वुखार तो नहीं हैं?' जैसे ही उसने मेरे हाथ को छुआ और बोली 'आपको तो बहुत तेज फीवर है. आप आज बैंक मत जाओ.' मैं बिस्तर से उठते हुए बोला 'पहले डॉक्टर को बता देता हूँ, फिर छुट्टी के बारे में विचार करूंगा.' मैंने शाखा प्रबंधक को मैसेज कर दिया 'स्वास्थ्य ठीक नहीं है. तेज बुखार है. डॉक्टर के पास जा रहा हूँ. आज मैं छुट्टी पर रह सकता हूँ.' मेरी धर्मपत्नी ने पडोसी रमेश बाबू के बेटे को बुला लिया था. मैं उसके साथ शहर के अधिकांश डॉक्टर के क्लिनिक पर गया. सभी क्लिनिक पर जबरदस्त भीड़ थी. किसी भी क्लिनिक पर डॉक्टर नहीं आये थे. हम वापस अपने घर की ओर आने लगे तो हमारी कॉलोनी के कोने पर एक झोलाछाप डॉक्टर का क्लिनिक खुल चुका था. इस क्लिनिक में अपेक्षाकृत कम भीड़ थी और डॉक्टर भी आ चुका था. मैं भी उन मरीजों की लाइन में लग गया. शीघ्र ही मेरी नंबर आ गया. डॉक्टर ने मेरी जांच कर दवाइयां भी अपनी तरफ से दे दी. मैंने डॉक्टर से पूछा 'मुझे कौनसा बुखार है?' डॉक्टर पहले अपने मुंह की तम्बाकू बाहर थूकने गए और फिर बोले 'घबराने की बात नहीं है, वायरल है वायरल.' घर पर आने पर श्रीमती जी ने अधीरतापूर्वक पूछा क्या हुआ? रमेश बाबू के बेटे ने कहा 'आंटी, घबराने की बात नहीं है, अंकल को वायरल है वायरल.' धर्मपत्नी ने रिलैक्स महसूस करते हुए कहा 'अरे, आपको भी वायरल हो गया है. आपको वायरल नहीं होगा तो क्या होगा? आप दिन-रात व्हाट्सएप्प और फेसबुक पर वीडियो और मैसेज वायरल करते रहते हो. और तो और जैसे ही आपको कोई मैसेज या वीडियो मिलता है आप उसे पढ़े, देखे बिना उन्हें दूसरे ग्रुप या व्यक्ति को फॉरवर्ड कर देते हो.

कहानी

शब्द

मझे मालूम है कि आप इस पर यकीन नहीं करेंगे। बात मामूली है भी नहीं। लेकिन यकीन करने के अलावा आपके पास कोई दूसरा रास्ता है भी तो नहीं। आपको लगेगा कि मैंने कोई फैंटेसी गड़ी है। कोई जादुई कथा। दरअसल जादू के बारे में आपकी जो बनी बनाई धारणा है, यह उससे बहुत अलग है भी नहीं। एक अतीन्द्रिय अनुभव! और आप हर अतीन्द्रिय अनुभव को जादू या ईश्वर के खाते में डालकर हाथ झाड़ लेना चाहते हैं लेकिन इससे मुझे क्या! आप अपनी जानें! मैंने तो जो देखा, सुना, सोचा और महसूस किया, उसे बस आपके सामने रखे दे रहा हूँ। आप अपने सलूक को लेकर आज़ाद हैं। मैं कौन होता हूँ जो आपके निर्णय में अपनी टांग अड़ाऊँ! तो... ऐसा है कि वह मुझे फिर दिखा। उस पर मैं महीने भर से नज़र रखे था। वह ऐन सुबह कॉलोनी में आ धमकता और हमेशा टाट के एक बड़े बोरे को अपनी पीठ पर लादे रहता। बोरे में सामान क्या है यह अब तक मैं नहीं जान पाया हूँ। लेकिन इतना ज़रूर है कि सुबह जब उसे मैं देखता, बोरा खाली-खाली सा होता ओर जब वह लौटता बोरे में बहुत कुछ भरा होता। एक दो बार मैंने चोरी से उसका पीछा भी किया, लेकिन महानगर की भीड़ तो आप जानते ही हैं। बत्ती के लाला होने से थोड़ा पहले वह चौराहे से निकल गया। मैं लालबत्ती पर लटका रहा और बत्ती जब हरी हुई, मैंने अपनी गाड़ी दौड़ाई। तब तक वह चौराहे के थोड़ा आगे बांयी सड़क पर मुड़कर गायब हो चुका था। मैं उसी सड़क पर मुड़ गया। सड़क क्या थी, एक खूबसूरत कॉलोनी के बीच आराम से लेटी हुई एक चौड़ी काली रेखा, जिसके दोनों ओर भव्य कोठियाँ थी और आगे वह रेखा एक खूबसूरत बगीचे की सीमा को छूते हुए बाँये-दाँये दोनों ओर फैल गयी थी। मैं यकीनपूर्वक नहीं कह सकता कि वह यहाँ आकर किसी एक ओर निकल गया था या इससे पहले ही किसी कोठी में छिप गया था। आप सोच रहे होंगें कि उसे अपनी कोठी में आखिर घुसने कौन देगा तो यहाँ पर भी आप गलत है। मैं यकीन से कह सकता हूँ कि वह इसी कॉलोनी की किसी कोठी में रहता है। वह घर के पिछवाड़े उछाली या फेंकी गई चीजें उठाने वाला कोई सामान्य आदमी नहीं था बहुत संभ्रांत सा था। आँखों पर सुनहरा चश्मा, बाल करीने से बेतरतीब, पैरों में हमेशा चमड़े की चमचमाती काली चप्पल मानो दूकान से सीधे सड़क पर उतरी हो! वह हमेशा हमारी कॉलोनी में घर के मुख्य द्वार से भीतर घुसता।

यू पाईल्स सिरप तथा पाईल्स रिलॅक्स और पाइलामृत कैप्सूल

आयुर्वेद एक जीवनशास्त्र तथा वरदानी चिकित्सा शास्त्र भी है। पाईल्स अर्थात बवासीर पर इसमे कई हजार वर्षों से सफल प्रभावी ईलाज किया जाता आ रहा है। इस पाईल्स या बवासीर को अर्श या मूलव्याध भी आयुर्वेद में कहा गया है। शिवशंकर आयुर्वेद एजेंसी सीताबर्डी नागपुर द्वारा निर्मित एक वितरित यू पाईल्स सिरप तथा पाइल्स रिलैक्स और पाईलामृत कैप्सूल पाइल्स पर अच्छा आराम देते हुए पाए गए है. पाइल्स या मूलव्याधि समूल नष्ट नहीं होगा. इसे पथ्य और औषधि सेवन से शांत किया जा सकता है. शल्य क्रिया करके भी पाइल्स फिर अपथ्य करने से पुनरुद्भव हो सकता है. उसको पथ्यापथ्य से और औषधी सेवन से ठीक किया जा सकता है। शल्यक्रिया (ऑपरेशन) करके भी पाईल्स फिर अपथ्य सेवन करने से पुनरुद्भव हो सकता है। परंतु पथ्यापथ्य के पालन एवं यु पाईल्स सिरप 20ml + आधे कप पानी के साथ और एक कैप्सूल पाइल्स रिलैक्स एव पाईलामृत की सुबह और शाम खाने के बाद सेवन करने से पाइल्स में अच्छा लाभ होते हुए देखा गया है. शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी मार्गदर्शक वैद्यो को अनुभव आया है। तथा इच्छुक व्यक्ति शिवशंकर आयुर्वेदिक एजंसी अथवा शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी वैद्यो की अनुभवी सलाह से परामर्श कर उपयुक्त यू पाइल्स सिरप एवम पाइल्स रिलैक्स और पायलामृत कॅप्सुल्स का सेवन करके अपनी समस्या का समाधान पाए.

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

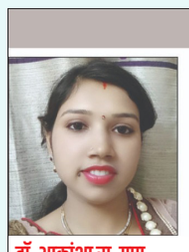

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000/8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, मंगलवार, 4 फरवरी 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

प्रसिद्ध फोटोग्राफर देवा बुराडकर का सन्मान

चंद्रपुर.

महाराष्ट्र विश्वकर्ममय सुतार (वृक्ष) समाज महासंघ द्वारा हाल ही में 37वें राज्य वर-वधू एवं अभिभावक परिचय सम्मेलन 2025 का आयोजन किया गया, जिसमें चंद्रपुर के प्रसिद्ध फोटोग्राफर देवा बुराडकर का विशेष रूप से सम्मान किया गया। महाराष्ट्र विश्वकर्ममय सुतार (वृक्ष) सोसायटी महासंघ द्वारा शनिवार और रविवार को एक समारोह आयोजित किया। 37 वें राज्य वर-वधू एवं अभिभावक परिचय सम्मेलन 1 एवं 2 फरवरी 2025 को शकुंतला फार्म, नागपुर रोड, चंद्रपुर में किया गया। लगातार तीन वर्षों से आयोजित हो रहे इस आयोजन के दौरान शूटिंग और फोटोग्राफी की जिम्मेदारी चंद्रपुर के प्रसिद्ध फोटोग्राफर देवा बुराडकर को सौंपी गई थी, जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। इसके लिए पुरस्कार दिया गया है।

उनका खास नाम फिल्म इंडस्ट्री में भी चमक रहा है। परिचय बैठक में फिल्म का ट्रेलर दिखाया गया। यह सुनकर हम सभी को गर्व होगा कि हमारे समुदाय का भी नाम इंडस्ट्री में है। फिल्म इंडस्ट्री में एक ऐसा नाम है जो देवा बुरडकर, देवा पिछले तीन सालों से लगातार हमारे साथ खड़े हैं। मैं देवा बुराडकर और प्रीतम खोबरागड़े, उनकी पूरी टीम का बहुत आभारी हूँ, उनकी फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और उनके काम के लिए वे जो कहते हैं, वह भी हमारे लिए बहुत परिचित हो गया है।

सम्मान समारोह के अवसर पर उन्होंने यह गर्वपूर्ण बात कही। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष रमेशराव महादेवराव वंडारे थे, जबकि कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता नितिन कवदु भटारकर, अध्यक्ष ज्योति प्रमोद राखुंडे, सतीश विठ्ठलराव मनूसमारे, संतोष भाऊराव बोरिकर और मुख्य अतिथि डॉ. प्रशांत अंबादास मानुसमारे, डॉ. महेश योगेशराव बोरिकर, डॉ. उषा दिलीपराव गहुकर (राखुंडे), डॉ. सुधाकर यशवंतराव साखरकर तथा विशेष आमंत्रित विधायक किशोर जोरगेवार, दगडू सुखदेव कुंभार और विजय जनार्दन बोरिकर उपस्थित थे।

स्मार्ट गांव बीबी में 'माझी वसुंधरा' दिंडी का आयोजन

कोरपना. माझी वसुंधरा अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश देने के लिए भव्य दिंडी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने पूरे स्मार्ट विलेज बीबी को जागरूकता के संदेशों से भर दिया। राष्ट्रीय सेवा योजना शरदराव पवार महाविद्यालय गड़चांदूर, ग्राम पंचायत बीबी, गुरुदेव सेवा मंडल, महात्मा गांधी प्रतिमा समिति, साथ ही गांव के विभिन्न महिला भारुड़ भजन मंडलों ने इस दिंडी में उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिंडी के दौरान पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता और वृक्षारोपण के महत्वपूर्ण संदेश दिए गए। गांव के मुख्य मार्गों से गुजरी दिंडी "पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ", "प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ" जैसे नारों से गूंज उठा। भाग लेने वाले समूहों ने भारुड़ और भजनों के माध्यम से समाज में जागरूकता पैदा की तथा जनता से पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरणविदों ने 100 बांस के पेड़ लगाए और हरित भविष्य के लिए शपथ ली। स्थानीय नागरिकों और युवाओं ने भी इस पहल की सराहना की। मेरी वसुंधरा डिंडी गांव की प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बन गई है।

पुस्तक महोत्सव पढ़ने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करता है: मुनगंटीवार

चंद्रपुर. पुस्तक मानव जीवन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाती हैं। जब मैं पहली बार विधायक बना तो मैं पुस्तकालय खोलने पर अड़ा था। चंद्रपुर, बल्लारपुर, मूल और पोंभुर्णा में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पुस्तकालय की स्थापना की गई। कई छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए पुस्तकालय का उपयोग कर रहे हैं। इसका प्रमाण यह है कि वे विपरीत परिस्थितियों पर काबू पाकर सफलता का परचम बुलंद कर रहे हैं। हाल के दिनों में पढ़ने की प्रवृत्ति में गिरावट के कारण पुस्तक महोत्सव जैसी गतिविधियां महत्वपूर्ण होती जा रही हैं। पूर्व वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्य पालन मंत्री विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने उद्बोधन मे काहा. मुनगंटीवार ने पुस्तक महोत्सव का निरीक्षण किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को वरिष्ठ साहित्यकार श्रीपाद भालचंद्र जोशी, डॉक्टर शाम मोहोरकर, जिला ग्रंथालय अधिकारी रत्नाकर नलावडे, अनिल बोरगामवार आदि उपस्थित थे। उन्होंने इस बात पर भी खेद व्यक्त किया कि व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के युग में पुस्तकें पढ़ने, पुस्तकें खरीदने या प्रकाशित करने में रुचि दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है। विधायक मुनगंटीवार ने कहा कि, `महाराष्ट्र की सांस्कृतिक नीति के तहत चंद्रपुर जिले में पुस्तक महोत्सव, पुस्तक प्रदर्शनी और बिक्री का आयोजन किया जा रहा है। जिन विषयों का समाज पर दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव पड़ता है उनमें पढ़ना और प्रोत्साहन शामिल हैं। जब मैं वित्त मंत्री था, तो मैंने बिना मांगे ही मुंबई स्थित एशियाटिक लाइब्रेरी को 15 करोड़ रुपये प्रदान किये थे। चंद्रपुर जिला पुस्तकालय के निर्माण और अन्य कार्यों के लिए 14 करोड़ 90 लाख रुपए मंजूर किए गए। यह पुस्तकालय विदर्भ में सर्वोत्तम होगा और विभिन्न विषयों पर चर्चा, चिंतन और विचार-मंथन का स्थान होगा। पुस्तक महोत्सव के माध्यम से इस क्षेत्र की कमियों और 21वीं सदी की चुनौतियों के बारे में जरूर लिखा जाना चाहिए। इस पुस्तक महोत्सव को और बड़ा रूप दिए जाने की जरूरत है। चांदा क्लब ग्राउंड में आयोजित भव्य पुस्तक महोत्सव में हजारों छात्र भाग लेंगे। इसके लिए सैकड़ों शेल्फ़ पुस्तकों की आवश्यकता होगी। उन्होंने यह भी कहा कि जब लाखों पुस्तकें बिक जाएंगी, तभी पुस्तक महोत्सव का वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा। इससे पहले, पुस्तक महोत्सव का उद्घाटन पुस्तकालय आंदोलन के अग्रदूत डॉ. एस.आर. रंगनाथन की प्रतिमा की पूजा की गई तथा दीप जलाया गया।

झाड़े समाज ने किया वर-वधू परिचय सम्मेलन का शानदार आयोजन

चंद्रपूर. वर-वधू परिचय सम्मेलन हमारे समाज के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण अवधारणा है। विवाह केवल दो व्यक्तियों के बीच का रिश्ता नहीं है, बल्कि एक पवित्र बंधन है जो दो परिवारों और पूरे समाज को बंधन मे जोडता है। विवाह केवल दो दिलों का मिलन ही नहीं है, बल्कि समान विचारधाराओं और आपसी सहयोग की नींव भी है। विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि इस तरह के समारोह हमारे समाज में आदर्श विवाह सुनिश्चित करने और परिवार को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महाराष्ट्र विश्वकर्ममय सुतार (झाडे) समाज द्वारा वर-वधू एवं अभिभावक परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। वे इस अवसर पर बोल रहे थे। कार्यक्रम में शिक्षक विभाग के विधायक सुधाकर अड़बाले, ज्योति राखुंडे, सतीश मनुसमारे, संतोष बोरिकर, रतन पोले, वासुदेव वंधार, प्रभाकर नवघरे, प्रमोद मानुसमारे, प्रदीप जानवे, नरेंद्र बनकर, जगदीश दुधालकर, डॉ. मंच पर राजेश शास्त्रीकर, अरुणा मट्टे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। आगे बोलते हुए जोरगेवार ने कहा कि हमने पिछले पांच वर्षों में कई विकास कार्य किए हैं। इन विकास कार्यों को करते समय मुख्य विचार यह था कि इनसे समाज को लाभ होगा।

हमने कई समुदायों को सामुदायिक भवनों के लिए धन उपलब्ध कराने का काम किया है। विधायक किशोर जोरगेवार ने घोषणा की कि यदि बढ़ई (वृक्ष) समुदाय भी सामुदायिक भवन बनाना चाहता है और उसके पास जमीन उपलब्ध है, तो इस जमीन पर सामुदायिक भवन बनाने के लिए 1 करोड़ रुपये की निधि उपलब्ध कराई जाएगी। हम सदैव समाज के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। समाज के होनहार युवाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, उद्योग-धंधों के लिए सहायता देने तथा शिक्षा के अधिक अवसर पैदा करने में मेरा पूरा सहयोग रहेगा। हमारा बढ़ई समुदाय अपनी कड़ी मेहनत, कौशल और ईमानदारी के लिए जाना जाता है। हमारे पूर्वजों ने हमें लकड़ी के काम की एक महान विरासत छोड़ी है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में हमें इस परंपरा को आधुनिकता के साथ जोड़कर आगे बढ़ना होगा। हमारे समुदाय ने लकड़ी के काम, गृह निर्माण और फर्नीचर उद्योगों में अमूल्य योगदान दिया है। आज आधुनिक तकनीक का उपयोग करके इस व्यवसाय को और आगे बढ़ाया जा सकता है। डिजिटल मार्केटिंग, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और नई मशीनरी की मदद से हम अपने बिजनेस को वैश्विक स्तर पर ले जा सकते हैं। हमें सिर्फ नौकरियां तलाशने के बजाय नए अवसर पैदा करने चाहिए। लघु एवं मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप्स और स्वरोजगार व्यवसायों में अपार अवसर हैं।

ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व, महाराष्ट्र के चंद्रपुर ज़िले में है. यह रिजर्व, ताड़ोबा राष्ट्रीय उद्यान और अंधारी वन्यजीव अभयारण्य को मिलाकर बना है. 1995 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत इसे भारत का 41वां टाइगर रिजर्व बनाया गया था.

अंबुजा सीमेंट की चूना पत्थर खदान विस्तार के लिए पर्यावरण संबंधी जन सुनवाई में अव्यवस्था का आरोप

चंद्रपुर, सुनील तायडे. अंबुजा सीमेंट लिमिटेड की मराठा चूना पत्थर खदान-2 के विस्तार के लिए पर्यावरण संबंधी सार्वजनिक जन सुनवाई में सोमवार को अव्यवस्था, हेरफेर के आरोप और अधिक पारदर्शिता की मांग देखी गई। अंबुजा सीमेंट लिमिटेड ने अपने चूना पत्थर उत्पादन को 2 मिलियन टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 3.5 मिलियन टन प्रति वर्ष करने की मांग की है।

उप जिलाधिकारी डी.एस. कुंभार की अध्यक्षता में हुई इस सुनवाई में महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों, ग्रामीणों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। अंबुजा सीमेंट लिमिटेड अधिकारियों द्वारा अपनी विस्तार योजनाओं और प्रदूषण शमन उपायों को प्रस्तुत करने के तुरंत बाद, एनजीओ संजीवनी पर्यावरण सामाजिक संस्था के अध्यक्ष राजेश बेले ने आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि कंपनी ने बार-बार प्रदूषण मानदंडों का उल्लंघन किया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पहले गैर-अनुपालन के लिए अंबुजा सीमेंट लिमिटेड की ₹ लाख की बैंक गारंटी जब्त कर ली थी और दावा किया कि पर्यावरण प्रभाव आकलन डेटा में हेरफेर के साथ सुनवाई महज औपचारिकता थी।

जवाब में, अंबुजा सीमेंट लिमिटेड इकाई प्रमुख महेंद्र सिंह राठौड़ ने आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि ईआईए रिपोर्ट एक प्रतिष्ठित तृतीय-पक्ष सलाहकार द्वारा तैयार की गई थी और कंपनी ने प्रदूषण मानदंडों का पालन किया था। उन्होंने दावा किया कि अंबुजा सीमेंट लिमिटेड अपने संसाधनों का 20% प्रदूषण नियंत्रण उपायों में निवेश कर रहा है। ग्रामीणों और विशेष रूप से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने अंबुजा सीमेंट लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पहलों के पक्ष में बात की, आस-पास के गांवों में रोजगार के अवसरों और विकास परियोजनाओं का हवाला दिया।

ग्रैमी अवॉर्ड्स में न्यूड हुई कान्ये वेस्ट की पत्नी बियांका

- पुलिस ने लिया एक्शन

ग्रैमी अवॉर्ड्स म्यूजिक इंडस्ट्री बहुत बड़े अवॉर्ड्स हैं। इसमें इंडस्ट्री से जुड़े मोस्ट टैलेंटेड परफॉर्मर्स और बड़े म्यूजिक हिट्स को सम्मानित किया जाता है। 67वां ग्रैमी अवॉर्ड्स को डिज्नी+ हॉटस्टार पर लाइव स्ट्रीम किया जा रहा है। मगर इस अवॉर्ड्स के रेड कार्पेट पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब रैपर कान्ये वेस्ट की वाइफ बियांका सेंसरी बिना कपड़ों पर वॉक करने लगीं। उन्होंने पैप्स के लिए पोज भी दिया। इसके कई वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर छाए हैं।

इस घटना के बाद पुलिस भी हरकत में आई। उन्होंने तुरंत एक्शन लेते हुए रैपर कान्ये वेस्ट और उनकी पत्नी बियांका सेंसरी को ग्रैमी 2025 इवेंट से बाहर निकाल दिया। एक सूत्र बताया कि पुलिस अधिकारियों ने दोनों को बाहर निकाल दिया जब उन्होंने "कारपेट पर एक क्रेजी आउटफिट मोमेंट" किया, जो "वल्चर्स एल्बम कवर की नकल करने का प्रयास" था।

वेस्ट के 2024 के "वल्चर्स 1" एल्बम कवर पर सेंसरी को केवल जांघ-ऊंचे जूते और पीछे एक छोटे कपड़े में पीछे की ओर खड़ा दिखाया गया था। इस जोड़े ने शो में उसी पोज में कदम रखा और फिर इवेंट से बाहर निकल गए। वेस्ट और सेंसरी, जिनकी शादी 2022 में हुई थी। इनको बाद में क्रिप्टो डॉट कॉम एरिना छोड़ते हुए और सिल्वर क्रोम कार में जाते हुए देखा गया। गौरतलब है कि रैपर कान्ये को अमेरिकी गायक टाई डॉला साइन के साथ 'कार्निवल' में सहयोग के लिए सर्वश्रेष्ठ रैप गीत के लिए नामांकित किया गया था।

हालांकि, ये पुरस्कार केंड्रिक लैमर के स्मैश ड्रेक डिस ट्रैक 'नॉट लाइक अस' को मिला। वहीं ग्रैमी अवार्ड्स के प्रवक्ता ने इस विवाद पर कुछ भी कहने से इंकार कर दिया।

ज़रीन खान अमेरिका में हुईं स्पॉट

बॉलीवुड की हॉट एक्ट्रेस में से एक जरीन खान इन दिनों अमेरिका में छुट्टियां मना रही हैं। एक्ट्रेस की सेल्फी वाली तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। रिपोर्ट्स की माने तो जरीन की ये तस्वीर अमेरिका के टेक्सस प्रांत की 'माउंट बोनेल' की है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "माउंट बोनेल के लुभावने दृश्यों का आनंद लेते हुए ऑस्टिन में प्रकृति और क्षितिज का परफेक्ट मिश्रण है!"तस्वीरों पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, "बहुत खूबसूरत और सुंदर लग रही हो आप। दूसरे ने लिखा, "बहुत खूबसूरत लग रही हैं आप।" कलकत्ता हाई कोर्ट ने हाल ही में 'हाउसफुल 2' अभिनेत्री के खिलाफ 2018 में दायर एक आपराधिक मामले को खारिज कर दिया था। उन पर आरोप था कि कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार बाध्य होने के बावजूद नवंबर 2018 में वह काली पूजा कार्यक्रम में अतिथि कलाकार के रूप में उपस्थित नहीं हुई थीं।जरीन खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही अपकमिंग ऐतिहासिक ड्रामा 'करिकालन' में विक्रम के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। फिल्म में विक्रम संगम काल के चोल के शुरुआती लोकप्रिय तमिल राजाओं में से एक, करिकालन चोल की ऐतिहासिक भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, जरीन खान एक वेलिर (सामंती खानदान की) लड़की की भूमिका में नजर आएंगी।अभिनेत्री 'वीर', 'हाउसफुल 2', 'हेट स्टोरी 3', 'वजह तुम हो', 'अक्सर 2', और '1921' समेत अन्य कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

चंद्रिका टंडन ने एल्बम त्रिवेणी के लिए जीता पहला ग्रैमी अवॉर्ड

ग्रैमी अवॉर्ड्स 2025 की घोषणा हो चुकी है। भारत के लिए भी यहां से खुशखबरी आई है। चंद्रिका टंडन ने अपनी एक एल्बम के लिए पहला ग्रैमी जीता है। कौन हैं चंद्रिका और किसके लिए मिला उन्हें ये अवॉर्ड चलिए जानते हैं। भारतीय-अमेरिकी सिंगर और म्यूजिशियन चंद्रिका टंडन को अपने एल्बम त्रिवेणी के लिए बेस्ट न्यू एज, एम्बिएंट या चैंट एल्बम श्रेणी में अवॉर्ड दिया गया। उन्होंने ये अवॉर्ड डायरेक्टर-दक्षिणी अफ्रीकी बांसुरी वादक वाउटर केलरमैन और जापानी वायलिन वादक इरु मात्सुमोतो के साथ साझा किया।

चंद्रिका टंडन ने पहले भी ग्रैमी में नॉमिनेशन हासिल किया था। चंद्रिका चेन्नई में पली-बढ़ीं और उन्होंने मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज से पढ़ाई की है। वो पेप्सिको की पूर्व सीईओ इंद्रा नूई की बड़ी बहन हैं। चंद्रिका ने आईआईएम अहमदाबाद से मास्टर डिग्री हासिल की है। ग्रैमी अवॉर्ड्स 2025 का आयोजन 2 फरवरी को लॉस एंजिल्स के क्रिप्टो डॉट कॉम एरिना में किया गया। चंद्रिका टंडन ये अवॉर्ड पाने के लिए इंडियन ट्रेडिशनल ड्रेस पहनकर पहुंची। उन्होंने गुलाबी रंग का रेशमी सलवार सूट पहना था। अवॉर्ड जीतने के बाद उन्होंने कहा "ये अद्भुत लगता है। मेरे साथ और भी बेहतरीन और अद्भुत म्यूजिशियन नॉमिनेटे थे। हमारे लिए इसे जीतना बहुत ही यादगार अवसर है।"

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि, बेस्ट न्यू एज, एम्बिएंट या चैंट एल्बम श्रेणी में रिकी केज की ब्रेक ऑफ डॉन, रयुची सकामोटो की ओपस, राधिका वेकारिया की वॉरियर्स ऑफ लाइट और अनुष्का शंकर की चैप्टर II: हाउ डार्क इट इज़ बिफोर डॉन को भी नामांकित किया गया था।

न्यू लुक में दिखे बाबा निराला

बॉबी देओल की लेटेस्ट पोस्ट ने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है। एक्टर की पोस्ट में बाबा निराला का नया अंदाज देखने को मिला है। पोस्ट के कैप्शन में बॉबी देओल ने लिखा- 'क्या लगा कि कहानी खत्म हो गई? अभी तो बाबा निराला का खेल शुरू हुआ है। नए मोड और धमाकेदार कलाकारों के साथ जल्दी ही आ रहा हूं मैं!' अभिनेता चंदन रॉय सान्याल मोस्ट अवेटेड सीरीज 'आश्रम सीजन 3 पार्ट 2' में 'भोपा स्वामी' के अपने किरदार को फिर से निभाने के लिए तैयार हैं। अपने दमदार अभिनय के साथ दर्शकों को खासा पसंद आने वाले अभिनेता सान्याल की उपस्थिति सीरीज की बेहतरीन बातों में से एक रही है। चंदन के जन्मदिन पर, कई रोमांचक अपकमिंग प्रोजेक्ट्स का खुलासा किया गया, जिसमें 'आश्रम सीजन 3 पार्ट 2' सबसे बड़ी हाइलाइट में से एक है।

सान्याल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कार्यक्रम की तस्वीरें भी पोस्ट कीं और कैप्शन में लिखा, "इंतजार खत्म हुआ! जन्मदिन का क्या शानदार जश्न था, जब पूरी दुनिया ने 'आश्रम' के साथ जश्न मनाया! मेरे लिए साल की शुरुआत ही हुई है। 'भोपा' जल्द आ रहा है।"शो और अपने किरदार के बारे में चंदन ने

बताया, "आश्रम मेरे करियर में एक बहुत बड़ा मोड़ रहा है और भोपा स्वामी एक ऐसा किरदार है जो मेरे दिल के बहुत करीब है। वह सिर्फ एक किरदार नहीं बल्कि बाबा निराला के आश्रम का एक अहम हिस्सा है, जो उनका भरोसेमंद है। मेरे जन्मदिन पर आश्रम के अगले सीजन की घोषणा मेरे दर्शकों को सबसे बड़ा तोहफा देने जैसा है। यह सिर्फ एक शो से कहीं बढ़कर है।"अभिनेता ने कहा, "मैं जहां भी जाता हूं, लोग मुझे मेरे किरदार के साथ जोड़कर अभिवादन करते हैं और यह अद्भुत एहसास देता है कि लोग 'भोपा स्वामी' से कितना प्यार करते हैं। यह जानकर कि मेरे किरदार ने इतना प्रभाव डाला है, कुछ ऐसा है जो वास्तव में मुझे आश्चर्य में डाल देता है। लोगों से मिले इतने प्यार के लिए मैं बहुत आभारी हूं।"

उल्लेखनीय है कि 30 जनवरी को एमएक्स प्लेयर ने अपने हिट शो, 'आश्रम' के तीसरे सीजन के दूसरे भाग का टीजर जारी किया था। इस शो में बॉबी देओल एक शातिर 'निराला बाबा' की भूमिका में नजर आए थे।

उदित नारायण ने जाहिर की भारत रत्न पाने की इच्छा

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर उदित नारायण लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. हाल ही में उनका एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह लाइव कॉन्सर्ट के दौरान फीमेल फैन को किस रहे थे. इस वीडियो के सामने आने के बाद हर कोई हैरान रह गया और लोगों ने उदित नारायण को काफी ट्रोल किया. अब इसी बीच सिंगर का एक नया बयान सामने आया है, जिसमें उन्हें भारत रत्न की इच्छा जाहिर की है. दरअसल उदित ने कहा कि मुझे अब तक कई अवॉर्ड्स मिल चुके हैं लेकिन मैं भारत रत्न पाने की इच्छा रखता हूं.

सिंगर उदित नारायण ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान भारत रत्न पाने की इच्छा जाहिर करते हुए कहा,'मुझे अभी तक कई फिल्म अवॉर्ड्स मिल चुके हैं. नेशनल अवॉर्ड्स, फिल्मफेयर अवॉर्ड्स, पद्मश्री, पद्मभूषण. मैं लता जी की तरह ही भारत रत्न पाने की इच्छा रखता हूं क्योंकि वह मेरी आइडल हैं.' बता दें कि उदित नारायण ने इस इंटरव्यू के दौरान लता मंगेशकर को अपना सबसे फेवरेट को-सिंगर भी बताया और कहा कि मुझे अब तक जो कुछ भी मिला है, वह माता सरस्वती की कृपा से है.

केवल इतना ही नहीं उदित नारायण ने अपने किसा वाले वायरल वीडियो पर चुप्पी भी तोड़ी है. उन्होंने लाइव कॉन्सर्ट के दौरान हुए इस विवाद को लेकर कहा कि इसको लेकर मुझे कोई शर्मिंदगी नहीं है. उन्होंने कहा, 'क्या मैंने कभी कुछ ऐसा किया जिससे मुझे, मेरे परिवार या देश को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी हो? फिर मैं उम्र के इस पड़ाव पर ऐसा कुछ क्यों करूंगा और वो भी तब जब मैंने सबकुछ हासिल कर लिया है. यह मेरे और फैंस के बीच सच्चा और कभी ना टूटने वाला बॉन्ड है. आपने जो वीडियो देखा वो मेरे और फैंस के बीच का प्यार था. वो मुझे प्यार करते हैं और मैं उनसे और भी ज्यादा प्यार करता हूं.

'सिकंदर' में होंगे चार धांसू एक्शन सीक्वेंस !

सलमान खान की सिकंदर आ रही है. फिल्म पर फिलहाल काम चल रहा है, जिसे फरवरी के मिड तक खत्म करना है. ए.आर मुरुगादास फिल्म को जल्द से जल्द पूरा कर रहे हैं. वहीं एडिट वर्क भी तेजी से चल रहा है. यूं तो एक गाने का शूट रश्मिका मंदाना की वापसी के बाद ही हो पाएगा. इस वक्त वो चोटिल हैं. इसी बीच फिल्म को लेकर तगड़ा अपडेट मिला है. बीते दिनों भाईजान रेलवे स्टेशन पर दिखे थे, अब पता लगा वहां भौकाली एक्शन सीक्वेंस शूट हुआ है.

सलमान खान की सिकंदर में 4 सबसे जरूरी एक्शन सीक्वेंस हैं. जिन चार अलग-अलग लोकेशन पर यह शूट किए गए हैं, वो हैं- एयरक्राफ्ट, ट्रेन, जेल और हॉस्पिटल. हाल ही में मिड डे की एक रिपोर्ट से इस बात का खुलासा हुआ है. इन चार लोकेशन पर क्या-क्या हुआ, आइए जानते हैं.

सलमान खान की 'सिकंदर' को बड़े लेवल पर तैयार किया जा रहा है. इसी बीच पता लगा कि फिल्म में चार धांसू एक्शन सीक्वेंस हैं. बीते दिनों सेंट्रल मुंबई रेलवे स्टेशन पर ही सलमान खान शूट करते दिखे थे. जहां से एक वीडियो भी लीक हुआ था. इस ट्रेन सीक्वेंस के दौरान सलमान खान और उनके ऑन-स्क्रीन बॉडीगार्ड एक विलेन को ढूंढते हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान खान के पास उस वक्त इतनी भीड़ थी कि उनके रियल-लाइफ बॉडीगार्ड्स भी वहीं पर मौजूद थे. इस सीक्वेंस की एंडिंग ट्रेन के अंदर एक भयंकर लड़ाई से होगी. वहीं ट्रेन के अलावा फिल्म सिटी और माटुंगा में जेल सीक्वेंस फिल्माया गया है. रिपोर्ट के मुताबिक, उस जगह पर भाईजान के किरदार को गैंगस्टर से लड़ते हुए दिखाया गया है. दरअसल एक्शन डायरेक्टर केविन कुमार एक-एक सीन पर नजर रखे हुए हैं, ताकी विजुअली अच्छा होने के साथ यह रोमांचक भी हो. इसके अलावा एक सीन एयरक्राफ्ट और एक हॉस्पिटल में भी शूट हो चुका है.

1 घंटा 56 मिनट की सबसे बड़ी हॉरर फिल्म 'कलिंगा'

इस खतरनाक हॉरर फिल्म को देखने के बाद आपके रातों की नींद का उड़ना तो तय है. फिल्म की कहानी और सस्पेंस के साथ ही डरावने मंजर आपका दिल दहला देंगे. इस फिल्म को आप साउथ की सबसे जबरदस्त हॉरर फिल्म भी कह सकते हैं. आइए इस फिल्म की पूरी कहानी जानते हैं. यह फिल्म 1 घंटा 56 मिनट की है. फिल्म की कहानी में कुछ सीन्स ऐसे हैं जो आपको बहुत ही डरने वाले होंगे. फिल्म किसी के साथ बैठकर ही देखें तो अच्छा होगा. इस फिल्म का हर एक पड़ाव आपको हिलाकर रख देगा.

इस महाडरावनी फिल्म का नाम 'कलिंगा' है. फिल्म 'कलिंगा' एक गांव की है. फिल्म की शुरुआत गांव के किसान की फैमिली से होती है. किसान और उसके पत्नी को एक अजीब आवाज सुनाई देती है.

किसान की पत्नी इस आवाज को ढूंढने जाती हैं और वापस लौटकर नहीं आती. तभी उसका पति कहता है कि मुझे तो कुछ सुनाई नहीं दिया तो मेरी बीवी कहां गई. इसके बाद वो बाहर निकलता है और थोड़ी दूर जाकर देखता है कि उसकी बीवी राक्षस बन गई है. ऐसे ही कहानी आगे बढ़ती है.फिल्म का एक-एक सीन आपके दिमाग के सरे पुर्जे खोल देंगे. यह एक तेलुगु फिल्म है. फिल्म की कहानी लिंगम नाम के व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती हैये खतरनाक फिल्म 2024 में रिलीज हुई थी. जिसे देखने के बाद लोगों के होश उड़ जाते हैं. इस हॉरर फिल्म ने कमाई भी अच्छी की थी.

डिप्रेशन का शिकार हो गई थीं दीप्ति नवल

3 फरवरी 1953 को अमृतसर में जन्मी दीप्ति नवल आज अपना 73 वां बर्थडे मना रही हैं। दीप्ति वहीं अभिनेत्री हैं जिन्होंने 70 और 80 दशक में लोगों के दिलों पर राज किया। अपनी जबरदस्त एक्टिंग के दम पर बॉलीवुड इंडस्ट्री में अमिट छाप छोड़ी। खूब शोहरत के बाद लेकिन एक दौर ऐसा भी आया जब दीप्ति का घर से निकलना मुश्किल हो गया था। वह अंदर ही अंदर घुट-घुट के रहने लगी थीं। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में किया था।

दीप्ति नवल का बचपन अमेरिका में बीता। उनके पिता न्यूयार्क यूनिवर्सिटी में प्रोफ़ेसर थे। पिता की मनसा थी कि बेटी एक बहुत बड़ी पेंटर बनें। लेकिन दीप्ति को कहां ये मंजूर था। उन्होंने आखिरकार थिएटर के जरिए इंडस्ट्री (फ़िल्मी दुनिया) में कदम रखा और खूब नाम कामया। लेकिन किसको पता था की एक गलत आरोप की वजह से दीप्ति का फिल्मी करियर डूब जायेगा। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया था कि उन्होंने एक फ्लैट खरीदा था। जिसमें वह अक्सर अपने दोस्तों के साथ पार्टी करती थीं। उस समय में लोगों के लिए अपार्टमेंट (फ्लैट) लेना बहुत बड़ी बात होती थी।

पार्टी में दोस्त के अलावा मीडिया वाले और फिल्मों के सिलसिले में जुड़े लोग भी आते थे। ऐसे में कुछ लोगों को लगा कि मैं देह व्यापार का काम कर रही हूं तो उन्होंने मेरे पर आरोप लगाना शुरू कर दिया। मैं अंदर ही अंदर घुटने लगी और बाहर निकलना भी बंद कर दिया था। मैंने खुद को फिर संभाला लेकिन अफवाहों के कारण मुझे इंडस्ट्री में काम मिलना भी बंद हो गया था।

सामंथा को मिला प्यार!

करोड़पति डायरेक्टर को कर रही हैं डेट?

साउथ इंडिन एक्ट्रेस समांथा रुथ प्रभु ने 2017 में नागा चैतन्य से शादी की थी। इसके 4 साल बाद ही 2021 में दोनों का तलाक हो गया। तब से समांथा सिंगल थीं, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि उनकी लाइफ में कोई आ गया है। एक करोड़पति डायरेक्टर के साथ उन्हें देखा गया। दरअसल, समांथा रुथ प्रभु लंबे अरसे से सिंगल थीं। मगर उन्हें हाल ही में किसी बड़े डायरेक्टर के साथ देखा गया। इसकी तस्वीरें उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इसमें वो डायरेक्टर का हाथ पकड़े दिखाई दे रही हैं वो भी पब्लिक प्लेस में।

समांथा रुथ प्रभु रिलेशनशिप इन तस्वीरों को देखने के बाद से ही लोग ये कयास लगा रहे हैं कि दोनों डेट कर रहे हैं। समांथा की ये तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर छाई हैं। समांथा जिस डायरेक्टर के साथ दिख रही हैं वो कोई और नहीं मशहूर निर्देशक राज निदिमोरु।

ये फेमस डायरेक्टर जोडी राज निदिमोरु और कृष्णा दासराकोथपल्ली (राज एंड डीके) के राज हैं। दोनों अपनी फेमस वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के लिए जाने जाते हैं। राज एंड डीके 2002 से साथ में हैं। इन्होंने ही समांथा की लेटेस्ट वेब सीरीज हनी बनी डायरेक्ट की थी।

टूट सकती है राज की शादी? मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समांथा रुथ प्रभु श्यामाली डे के साथ अच्छी दोस्त हैं, जो राज निदिमोरु की पत्नी हैं। मगर ऐसी अटकलें हैं दोनों समांथा और राज एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। इसलिए अब श्यामाली डे की शादी खतरे में है।

राज और समांथा को हाल ही में पिकलबॉल टूर्नामेंट में साथ देखा गया था। जहां दोनों की केमेस्ट्री देख लोगों को फिर से शक हुआ। अब इसकी तस्वीरें देख लोग कमेंट कर रहे हैं कि अब दोनों अपने रिलेशनशिप को जल्दी ही सार्वजनिक कर देंगे। हालांकि अभी तक दोनों में से किसी ने इस पर अभी तक कोई बात नहीं की है। इसलिए अभी कुछ भी कहना गलत होगा। दोनों के रिश्ते की सच्चाई आने वाले समय में ही पता चलेगी।

क्रिकेट जगत में खौफ का दूसरा नाम अभिषेक शर्मा

नागपुर-

टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी -20 सीरीज का समापन हो चुका है। अब दोनों देशों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जानी है। वन डे सीरीज का पहला मैच नागपुर के जामठा स्टेडियम में खेला जायेगा. यह दोनों ही टीमों के लिए अहम है, क्योंकि इसे आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का ड्रेस रिहर्सल कहा जा रहा है। ये सीरीज इंग्लैंड और भारत दोनों ही टीमों की आईसीसी इवेंट से पहले आखिरी सीरीज है। ऐसे में ये सीरीज बहुत दिलचस्प होने वाली है। नागपुर के संतरा नगरी में 2165 दिनों के बाद वन डे मैच खेला जायेगा. इस मैच में विराट कोहली व रोहित शर्मा का बल्ला जमाकर बोला है. विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन की मेजबानी में यह पहली बार होगा. जब संतरा नगरी में खासकर विदर्भ, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के दर्शको का जमावड़ा

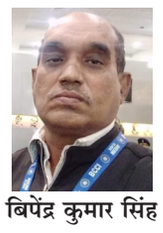

बिपेंद्र कुमार सिंह

लगेगा और इस मैच का लुफ्त उठाएंगे.आईपीएल की फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस उनके बेटे ही संभालते हैं.टीम इंडिया के धाकड़ ओपनर अभिषेक शर्मा ने वर्ल्ड क्रिकेट में एक बार फिर से अपने नाम का लोहा मनवाया है. इंग्लैंड के खिलाफ ताबड़तोड़ शतक जड़कर उन्होंने हर किसी का दिल जीत लिया. उनके इस सफलता के पीछे उनका एक खास फैसला है. जो उन्होंने अपनी मां की बात मानते हुए लिया था.

अभिषेक शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में जमकर गदर मचाया. अभिषेक शर्मा ने मुंबई टी20 में 13 छक्के कूट दिए. उनकी इस बड़ी सफलता के पीछे उनका एक खास फैसला है. आपको बता दें टीम इंडिया के फ्यूचर स्टार के रूप में देखे जा रहे युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अपने खान-पान को कंट्रोल किया. इतना ही नहीं इसके अलावा उन्होंने नॉन वेज तक छोड़ दिया. आखिर कैसे और किस वजह से अभिषेक शर्मा वर्ल्ड क्रिकेट में एक नई सनसनी बनते जा रहे हैं.

24 साल के अभिषेक शर्मा ने टी-20 क्रिकेट में खुद को साबित किया है. चाहे आईपीएल की बात हो या फिर टी-20 इंटरनेशनल की. वो आज जिस मुकाम पर हैं उसके पीछे की वजह उनके नॉन वेज छोड़ने को भी माना जाता है. बात सिर्फ इतनी सी नहीं है कि उन्होंने नॉन वेज छोड़ा बल्कि उन्होंने अपनी मां की बात का सम्मान किया. दरअसल उनकी मां भी चाहती थी कि अभिषेक नॉन वेज ना खाए. अभिषेक ने नॉन वेज छोड़ने का बड़ा फैसला लिया और इसके बाद उनके प्रदर्शन में और सुधार होते चला गया.

अब अभिषेक पहले से भी ज्यादा ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए नजर आते हैं. इसका ताजा उदाहरण उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टी-20 में पेश किया. जहां उन्होंने 250 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बैटिंग करके शानदार शतक जड़ दिया.

कोलकाता में खेले गए मैच में जीता था दिल

इससे पहले अभिषेक ने कोलकाता में खेले गए पहले टी-20 में भी अपनी तूफानी बल्लेबाजी से फैंस का दिल जीत लिया था. ईडन गार्डन्स में उन्होंने 34 गेंदों में 79 रन ठोक दिए थे. इस दौरान उन्होंने 232 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की थी. इस पारी में 8 छक्के और पांच चौके शामिल थे.

बांग्लादेश में फंसे कई विदेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली.

बांग्लादेश प्रीमियर लीग में कई दिनों से दरबार राजशाही के खिलाड़ियों के साथ फीस को लेकर समस्या चल रही है. टीम ने इस सीजन में अभी तक कई प्लेयर्स को उनके कॉन्ट्रैक्ट का पैसा नहीं दिया है. फ्रेंचाइजी ने यहां तक कि टीम होटल का पेमेंट भी क्लीयर नहीं किया है. ना ही उनकी ओर से किए गए कॉल का जवाब दे रही है. इससे खासतौर पर विदेशी खिलाड़ियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. दरबार राजशाही ने अपने विदेशी खिलाड़ियों के वापस जाने के लिए रिटर्न टिकट का भी इंतजाम नहीं किया है. नतीजा ये हुआ कि लोकल प्लेयर्स तो किसी तरह होटल से निकल गए. लेकिन कुछ ओवरसीज प्लेयर्स ढाका के होटल में ही फंस गए हैं.

ईएसपीएनक्रिकेइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी बल्लेबाज मोहम्मद हारिस, अफगानिस्तान के अफताब आलम, वेस्टइंडीज के मार्क डियाल और मिगेल कमिंस के साथ जिम्बाब्वे के रेयान बर्ल को अभी तक उनके कॉन्ट्रैक्ट का पूरा पैसा नहीं मिला है. हालांकि, इनमें से दो खिलाड़ियों को 25 प्रतिशत फीस दे दी गई है. लेकिन दूसरे प्लेयर्स को अभी तक कोई भी पैसा नहीं दिया

गया है. इतना ही नहीं इन्हें 11 दिनों से डेली अलाउंस भी नहीं दिए गए हैं. हालांकि, क्रिकबज की रिपोर्ट में बताया गया है कि फ्रेंचाइजी के मालिक शफीक रहमान ने इन सभी को उनके देश वापस भेजने के लिए टिकट के इंतजाम करने का ऐलान कर दिया है. रिपोर्ट के मुताबिक, जब विदेशी प्लेयर्स के फंसने की खबर से बवाल मचा, तब जाकर ये घोषणा की गई. ईएसपीएनक्रिकेइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक दरबार राजशाही के मालिक चट्टोग्राम में भी टीम होटल का पैसा नहीं चुका पाए थे. इसके उनके रूम के बाहर के सिक्योरिटी गार्ड बैठा हुआ पाया गया था. ये तस्वीर काफी वायरल हुई थी. बाद में पता चला कि होटल के कर्मचारियों ने पेमेंट को लेकर उनके कार को जब्त कर लिया था. हाल ही में दरबार राजशाही के कई खिलाड़ी बकाया राशि नहीं मिलने के चलते बगावत पर उतर गए थे. उन्होंने प्रैक्टिस सेशन में जाने और मैच खेलने से मना कर दिया था. इसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने मामले में दखल दिया. उसने एक कमेटी बनाई. इस एक्शन के बाद फ्रेंचाइजी ने जल्द ही फीस देने का वादा किया, लेकिन उसे पूरा नहीं कर पाई.

गांगुली की भविष्यवाणी में सेमीफाइनल के 4 नाम

नई दिल्ली.

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं. टूर्नामेंट की शुरुआत 19 फरवरी से होगी. इस बार की चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान की मेजबानी में खेली जाएगी, लेकिन टीम इंडिया अपने मुकाबले दुबई में खेलेगी. टूर्नामेंट से पहले भविष्यवाणियों दौर तेज हो चुका है. टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भविष्यवाणी करते हुए चार सेमी फाइनलिस्ट टीमों का नाम बताया. गांगुली ने अपनी भविष्यवाणी में बताईं चार सेमी फाइनलिस्ट टीमों में पाकिस्तान का नाम शामिल नहीं किया. बता दें कि पाकिस्तान टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है. इसके अलावा इस बार पाक टीम टूर्नामेंट की मेजबानी भी कर रही है. तो आइए जानते हैं कि पाकिस्तान के अलावा गांगुली ने किन चार टीमों को सेमी फाइनलिस्ट के रूप मे चुना.

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान ने स्पोर्ट्स तक बात करते हुए भविष्यवाणी में सबसे पहले टीम इंडिया का नाम लिया. इसके अलावा उन्होंने बाकी तीन टीमों में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका को शामिल किया. हालांकि गौर करने वाली बात यह रही कि गांगुल ने न्यूजीलैंड को सेमी

फाइनलिस्ट के रूप में नहीं चुना. अब देखना दिलचस्प होगा कि गांगुली की भविष्यवाणी कितनी ठीक साबित होती है. गौरतलब है कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत 19 फरवरी से होगी. टूर्नामेंट का पहला मुकाबला पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में खेला जाएगा. वहीं टूर्नामेंट में टीम इंडिया अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ दुबई में खेलेगी. वहीं भारतीय टीम का दूसरा मैच पाकिस्तान के खिलाफ 23 फरवरी को होगा. टूर्नामेंट का फाइनल 09 मार्च को खेला जाएगा. फाइनल कहां खेला जाएगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि टीम इंडिया फाइनल में पहुंचती है या नहीं.

वेटलिफ्टिंग में टूटे रिकॉर्ड

देहरादून.

38वें राष्ट्रीय खेल के वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता के अंतिम दिन सोमवार को कई रिकॉर्ड टूटे और पंजाब की मेहक शर्मा ने महिला श्रेणी में तीन नए रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया।महिला 87+ किलोग्राम श्रेणी में प्रतियोगिता में भाग लेते हुए, महक ने अपने अंतिम क्लीन एंड जर्क प्रयास में 141 किलोग्राम वजन उठाया, जो उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ 140 किलोग्राम से भी अधिक था। इसके अलावा, उन्होंने स्नैच में भी नया रिकॉर्ड बनाते हुए 106 किलोग्राम वजन उठाया, जो उनके पहले के रिकॉर्ड 105 किलोग्राम से बेहतर था। कुल मिलाकर, महक ने 247 किलोग्राम वजन उठाया, जो उनके पिछले रिकॉर्ड 244 किलोग्राम से 3 किलोग्राम अधिक था।

अब महक शर्मा अपने श्रेणी में स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल वजन उठाने के सभी रिकॉर्डों की मालिक हैं। तमिलनाडु के वेलावन सेंथिल कुमार और गोवा की आकांक्षा सालुंखे ने क्रमशः पुरुष और महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में चैंपियन बनकर उभरे हैं।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में ब्रूक का फ्लॉप प्रदर्शन

नई दिल्ली.

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक हाल ही में भारत के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेलते हुए नजर आए थे. सीरीज में ब्रूक लगभग फ्लॉप दिखाई दिए. उन्होंने सीरीज के चौथे मुकाबले में अर्धशतकीय पारी खेली थी, लेकिन बाकी चार मैचों में वह 20 रनों का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके थे. ब्रूक के फ्लॉप होने से उनकी एक बड़ी कमजोरी उजागर हुई, जिससे मानिए कि आईपीएल 2025 से पहले उनकी पोल खुल गई. तो आइए जानते हैं कि ब्रूक की कमजोरी क्या है और क्या यह दिल्ली कैपिटल्स के लिए मुश्किल साबित होगी. बता दें कि हैरी ब्रूक को दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 के लिए हुए मेगा ऑक्शन में 6.25 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदा. लेकिन अब टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले हैरी ब्रूक की कमजोरी सामने आई है.

भारत के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज में ब्रूक सभी मैचों में स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ आउट हुए, जिससे कहीं ना कहीं साफ हो गया कि स्पिन गेंदबाजी खेलने में ब्रूक एक एक्सपर्ट बल्लेबाज नहीं हैं. वहीं भारत की ज्यादा पिचों पर स्पिन गेंदबाजी को मदद मिलती है, जो आईपीएल में भी देखने को मिलता है. ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि हैरी ब्रूक आईपीलए 2025 में कैसा प्रदर्शन करते हैं.

गौरतलब है कि हैरी ब्रूक ने 2023 में आईपीएल डेब्यू किया था. उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए आईपीएल में कदम रखा था.

ब्रूक ने अब तक सिर्फ एक ही सीजन (आईपीएल 2023) खेला है. उन्होंने अपने इकलौते सीजन में 11 आईपीएल मुकाबले खेले. इन मैचों की 11 पारियों में उन्होंने 21.11 की औसत और 123.37 के स्ट्राइक रेट से 190 रन बना लिए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक निकला है. 11 पारियों में ब्रूक 2 बार नाबाद रहे हैं. वहीं अब तक इंग्लिश बल्लेबाज ने अब तक टूर्नामेंट 23 चौके और 4 छक्के लगा लिए हैं.

एमआई केप टाउन ने मजबूत की अपनी स्थिति

केपटाउन.

एमआई केप टाउन ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को बड़े अंतर से हराकर एसए20 सीजन 3 में टेबल-टॉपर्स के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की। इस शानदार जीत के साथ उन्होंने न्यूलैंड्स में एक बेहतरीन रिकॉर्ड भी बनाया। रॉबिन पीटरसन की टीम पार्ल रॉयल्स के नक्शेकदम पर चलते हुए दूसरी ऐसी टीम बन गई है, जिसने पांच जीत के साथ अपने घरेलू मैदान पर अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा है।

एमआई केप टाउन ने 35 अंकों के साथ लीग चरण समाप्त किया, जो कि एक रिकॉर्ड अंक है। यह 95 रन से कैपिटल्स पर उनकी बड़ी जीत के कारण संभव हुआ। घरेलू टीम ने अपने लाइन-अप में छह बदलाव करने के बावजूद शुरुआत से ही मैच पर पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा।

सेदिकुल्लाह अटल और कॉनर एस्टरहुइजन की नई सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 133 रनों की शानदार साझेदारी की। बाएं हाथ के सेदिकुल्लाह ने 46 गेंदों में 77 रन बनाकर न्यूलैंड्स की भीड़ का भरपूर मनोरंजन किया, जबकि एस्टरहुइजन

ने 43 गेंदों में 69 रन बनाए। डेलानो पोटगिएटर ने 15 गेंदों में 26 रन बनाकर अतिरिक्त रन जोड़ते हुए एमआई को 201/5 के स्कोर पर पहुंचा दिया, जो इस सीजन में न्यूलैंड्स का सबसे बड़ा स्कोर है। एमआई केप टाउन की गेंदबाजी ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। खासकर ऑफ स्पिनर डेन पीड्ट ने। उन्होंने कैपिटल के सलामी बल्लेबाज विल जैक को पहली ही गेंद पर विकेट के पीछे कैच करा दिया। अपने शहर की टीम के लिए बेटवे एसए20 में पदार्पण कर रहे पीड्ट ने खुशी में रेलवे स्टैंड की ओर दौड़ते हुए जश्न मनाया।

अनुभवी ऑफ स्पिनर शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने 3/28 के शानदार आंकड़े के साथ दो और विकेट लिए, जिसके कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। पीड्ट ने कहा, "यह अद्भुत रहा है। मैं यहीं बड़ा हुआ हूं, अपनी पत्नी, बेटे और माता-पिता के सामने खेला। मैं लोगों को प्रेरित रखने की कोशिश करता हूं, अच्छी ऊर्जा पैदा करने और उन्हें खुद को अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित करता हूं। मैं इसे दूर से देख रहा हूं, लेकिन यह सच में अद्भुत था। हम यही चाह रहे थे।"

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने टाटा स्टील मास्टर्स में जीता खिताब

नई दिल्ली.

भारत के 19 साल के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने टाटा स्टील मास्टर्स 2025 में जीत हासिल करके वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश को हराकर अपने नाम का परचम लहरा दिया. 2024 के आखिरी में शतरंज के वर्ल्ड चैंपियन बनने वाले भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को बड़ा झटका लगा है. उन्हें टाटा स्टील मास्टर्स 2025 में भारत के ही ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने हरा दिया. वर्ल्ड चैंपियन को हराने के बाद आर प्रज्ञानंद की खूब चर्चा हो रही है. इससे पहले भी कई मौकों पर प्रज्ञानंदा खुद को साबित कर चुके हैं. आइए जानते हैं कि आखिर विश्व विजेता डी गुकेश को हराने वाले आर प्रज्ञानंद कौन हैं? उन्होंने इससे पहले मैग्नस कार्लसन को भी पटखनी दी है. टाटा स्टील मास्टर्स 2025 में आर प्रज्ञानंद और डी गुकेश के बीच मुकाबला 2 फरवरी को विज्क

आन जी (नीदरलैंड) में खेला गया. टाईब्रेक में 19 साल के प्रज्ञानंद ने 18 साल के गुकेश को शिकस्त दे दी. प्रज्ञानंद का जन्म 10 अगस्त 2005 को चेन्नई में हुआ था. उनके पिता का नाम रमेश बाबू और मां का नाम नागलक्ष्मी हैं.

प्रज्ञानंद ने साल 2013 में वर्ल्ड यूथ चेस चैंपियनशिप अंडर 8 का टाइटल अपने नाम किया था. वहीं साल 2015 में इस भारतीय ग्रैंडमास्टर ने अंदर 10 का टाइटल भी जीता था. वहीं 2023 में उन्होंने शतरंज के वर्ल्ड कप फाइनल में भी जगह बनाई थी. दिग्गज विश्वनाथ आनंद के बाद वो चेस के वर्ल्ड कप फाइनल में एंट्री लेने वाले दूसरे भारतीय बने थे. 19 साल के प्रज्ञानंद ने 16 साल की उम्र में नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन को भी पटखनी दी है. उन्होंने 2022 में उस समय के वर्ल्ड चैंपियन कार्लसन को ऑनलाइन रैपिड शतरंज टूर्नामेंट एयरथिंग्स मास्टर्स के आठवें दौर में शिकस्त दी थी. इसके बाद उन्होंने कार्लसन को स्टावेंजर 2024 में नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे दौर के दौरान क्लासिकल गेम में भी हरा दिया था.

प्रज्ञानंद जब महज तीन साल के थे तब से उनकी लाइफ के साथ शतरंज जुड़ गया था. उन्हें अपनी बड़ी बहन आर वैशाली से इस खेल के लिए मोटिवेशन मिला था. वैशाली भी ग्रैंडमास्टर हैं. प्रज्ञानंद की इस सफल जर्नी में उनकी बहन के अलावा उन्हें माता-पिता का भी भरपूर साथ मिला है. प्रज्ञानंद की मां उनके मुकाबलों के दौरान उनके साथ जाती हैं. अगर ऐसा सम्भव नहीं होता है तो वो अपने बेटे के मुकाबले को घर बैठे टीवी पर देखती हैं.

माइकल बेवन ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल

नई दिल्ली.

ऑस्ट्रेलिया के महान वनडे बल्लेबाज माइकल बेवन को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। इस प्रतिष्ठित क्लब का हिस्सा बनने के लिए मानदंडों में बदलाव किया गया है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम समिति और मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) के प्रबंधक मेलबर्न क्रिकेट क्लब द्वारा मानदंडों की समीक्षा की गई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संबंधित युगों में उपलब्ध खेल के सभी प्रारूपों को समान रूप से मान्यता दी जाए।

ताजा मानदंडों के अनुसार, अब दो श्रेणियों की शुरूआत की गई है, जिसमें उम्मीदवारों को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में खिलाड़ी या सामान्य श्रेणी के रूप में शामिल किया जा सकता है। बेवन अब ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम का हिस्सा बनने वाले 66वें खिलाड़ी बन गए हैं और माइकल क्लार्क और क्रिस्टीना मैथ्यूज के बाद इस सीजन के तीसरे

खिलाड़ी हैं।

"यह माइकल का असाधारण खेल रिकॉर्ड और सार्वजनिक प्रतिष्ठा ही थी जिसने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम समिति को अपने चयन मानदंडों की समीक्षा करने के लिए प्रेरित किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वनडे या ट्वेंटी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को टेस्ट प्रारूप में चमकने वालों के समान ही मान्यता मिले। "माइकल ने निसंदेह सफेद गेंद के क्रिकेट में क्रांति ला दी और अपनी शानदार बल्लेबाजी, अद्भुत एथलेटिसिज्म और रनों का पीछा करने की क्षमता के लिए एक घरेलू नाम बन गए। 90 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में, बेवन और वनडे इंटरनेशनल का नाम एक दूसरे के पर्याय बन गए थे।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम के चेयरमैन पीटर किंग ने कहा, "माइकल के शानदार प्रदर्शन ने प्रशंसकों को या तो स्टेडियम में जाने या अपने टीवी चालू करने के लिए मजबूर कर दिया, जो ऑस्ट्रेलिया और वैश्विक स्तर पर क्रिकेट के खेल पर उनका प्रभाव था।"

आयरलैंड में भीषण सड़क हादसा

लंदन.

> पेड़ से टकराई कार; 2 भारतीय छात्रों की हुई मौत

दक्षिणी आयरलैंड के कार्लो काउंटी में एक कार के पेड़ से टकरा जाने के कारण दो भारतीय छात्रों की मौत हो गई। इस हादसे में दो अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आयरिश पुलिस ने इस हादसे को लेकर जानकारी दी है। स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की ओर से घातक सड़क हादसे के बाद चेरेकुरी सुरेश चौधरी और चिथूरी

भार्गव को घटनास्थल पर मृत घोषित कर दिया

भारतीय दूतावास कर रहा है मदद : आयरलैंड की राजधानी डबलिन स्थित भारतीय दूतावास ने रविवार को सोशल मीडिया पर शोक संदेश जारी किया। दूतावास ने कहा, ''डबलिन स्थित भारतीय दूतावास, काउंटी कार्लो में एक कार दुर्घटना में दो भारतीय नागरिकों श्री चेरेकुरी सुरेश चौधरी और श्री चिथूरी भार्गव की दुखद मृत्यु पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।'' इसमें कहा गया है, ''दूतावास की टीम मृतकों के परिवार और मित्रों के संपर्क में है तथा दुर्घटना में घायल हुए दो भारतीय नागरिकों को भी हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है।''

पुलिस अधिकारी ने क्या कहा? : कार्लो गार्डा स्टेशन के अधीक्षक एंथनी फैरेल ने कहा, ''एक काले रंग की ऑडी ए6 कार कार्लो शहर की ओर जा रही थी, जब वह सड़क पार कर ग्राइगुएनास्पिडोज में एक पेड़ से टकरा गई।'' कार में सवार दो अन्य यात्री, 20 वर्ष की आयु के एक पुरुष और एक महिला, को गंभीर हालत में किलकेनी के सेंट ल्यूक जनरल अस्पताल ले जाया गया लेकिन दोनों खतरे से बाहर हैं।

सीरिया के मनबीज शहर में हुआ बम धमाका

> 15 लोगों की मौत

मनबीज.

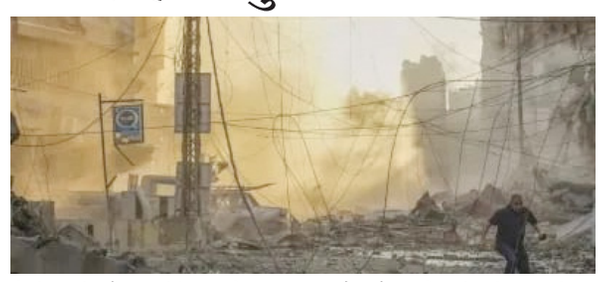

उत्तरी सीरिया के मनबीज शहर के बाहरी इलाके में भीषण बम धमाका हुआ है। धमाका कृषि श्रमिकों को ले जा रहे एक वाहन के पास हुआ है। धमाका एक कार में हुआ है जिसमें कम से कम 15 लोग मारे गए हैं और दर्जनों घायल हुए हैं। स्थानीय नागरिक सुरक्षा और युद्ध निगरानी संस्था इस बारे में जानकारी दी है। बशर असद के दिसंबर में अपदस्थ होने के बाद पूर्वोत्तर अलेप्पो प्रांत के मनबीज में हिंसा की घटनाएं होती रही हैं। 'सीरियन नेशनल आर्मी' के नाम से जाने जाने वाले तुर्किये समर्थित गुटों का अमेरिका समर्थित कुर्द नेतृत्व वाली 'सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेस' के साथ टकराव जारी है।

सीरिया में किस तरह के हैं हालात? : सीरिया में किस तरह का माहौल है इससे पूरी दुनिया वाकिफ है। आतंकवाद की वजह हालात बदतर हो गए हैं। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट का प्रभाव पहले से कम हुआ है, लेकिन फिर भी आतंकी गतिविधियों का अंत नहीं हुआ है। सीरिया में अक्सर ही आतंकी हमलों के मामले देखने को मिलते रहते हैं।

महाकुंभ हादसा: 'जांच में षड़यंत्र की बू आ रही है' - रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली.

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ में हर रोज करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु संगम में स्नान कर रहे हैं। भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों से लोग महाकुंभ में गंगा, यमुना, सरस्वती के त्रिवेणी संगम में स्नान कर रहे हैं। हालांकि, बीते 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ में भगदड़ जैसी स्थिति मच गई थी जिस कारण कई श्रद्धालुओं की जान चली गई थी। इस हादसे की न्यायिक जांच की जा रही है। महाकुंभ में हादसे को लेकर संसद में भी विपक्षी दलों की ओर से हंगामा किया जा रहा है। वहीं, लोकसभा में भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने इस मुद्दे पर जवाब देते हुए कहा है कि महाकुंभ हादसे की जांच में षड़यंत्र की बू आ रही है।

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि महाकुंभ में अब तक 35 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। जो हादसा हुआ उसकी जांच चल रही है और उस जांच में षडयंत्र की बू आ रही है। जब पूरी जांच सामने आएगी तब वो हादसा किसने करवाया उनको शर्म से झुकना पड़ेगा।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कुंभ और सनातन का नाम सुनते ही विपक्ष को परेशानी क्यों हो जाती है। एक बात मैं सदन में साफ-साफ कहना चाहता हूं। सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

फिलीपींस से गिरफ्तार 'जोगा डॉन' के खुलेंगे काले कारनामे!

बिहार.

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के करीबी एवं आरजेडी के राज्यसभा सांसद संजय यादव से 20 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई की है। हरियाणा के कुख्यात गैंगस्टर जोगिंदर ग्योंग उर्फ जोगा डॉन को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है।

बैंकॉक के रास्ते लाया गया भारत : सीबीआई ने इंटरपोल के सहयोग से उसे फिलीपींस में गिरफ्तार किया है। जोगा डॉन के खिलाफ पहले से ही रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। गिरफ्तारी के बाद उसे बैंकॉक के रास्ते भारत लाया गया और दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया गया।

दिल्ली पुलिस जोगा डॉन से कर रही पूछताछ : जोगा डॉन की दिल्ली पुलिस को भी तलाश थी। गिरफ्तारी के बाद उसे दिल्ली पुलिस के दक्षिणी रेंज के हवाले कर दिया गया है। अब उससे पूछताछ की जा रही है। माना जा रहा है कि जोगा डॉन अपने काले कारनामे को लेकर कई अहम राज खोलेगा।

आरजेडी के सांसद से मांगी थी करोड़ों की रंगदारी : बता दें कि जोगा डॉन ने आरजेडी सांसद संजय यादव को कुछ दिन पहले रंगदारी न देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद से वह एक बार फिर जांच एजेंसियों के निशाने पर आ गया था।

मोहम्मद यूनुस के बदले सुर! बांग्लादेश के हिंदुओं को दी सरस्वती पूजा की बधाई

ढाका:

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने हिंदू समुदाय को सरस्वती पूजा की शुभकामनाएं दी हैं। यूनुस ने कहा कि उनका देश हर धर्म एवं जाति के लोगों के लिए सुरक्षित स्थान है। बसंत पंचमी के अवसर पर बांग्लादेश में हिंदुओं ने सोमवार को पूरे उत्साह के साथ सरस्वती पूजा की। यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश सांप्रदायिक सद्भाव का वास है। उन्होंने कहा, ''हजारों साल से सभी जातियों, रंगों और धर्मों के लोग इस देश में एक साथ रह रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह देश हम सबका है और हर धर्म एवं जाति के लोगों के लिए सुरक्षित स्थान है।'' मोहम्मद यूनुस ने कहा कि अंतरिम सरकार ''जाति, धर्म और जाति से परे सभी के भाग्य को बेहतर बनाने और उनके समान अधिकार सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है।'' उन्होंने कहा कि देवी सरस्वती सत्य, न्याय और ज्ञान के प्रकाश की प्रतीक हैं। यूनुस ने कहा, ''वह ज्ञान, वाणी और माधुर्य की सर्वशक्तिमान देवी हैं।'' यूनुस ने हिंदू समुदाय को ये शुभकामनाएं ऐसे समय में दी हैं जब देश की अंतरिम सरकार पर धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों को हमलों और उत्पीड़न से बचाने में विफल रहने के आरोप लग रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में वृद्धि हुई है। हसीना के अपदस्थ होने के बाद बांग्लादेश में मंदिरों पर हमले हुए और इन घटनाओं पर भारत ने गहरी चिंता व्यक्त की है।

गूगल मैप से होने वाली दुर्घटनाओं का मुद्दा, राज्यसभा में उठा

> स्वदेशी मॉडल अपनाने की मांग

नई दिल्ली.

सोमवार को राज्यसभा के एक सदस्य ने गूगल मैप्स की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं का मुद्दा उठाया. उन्होंने गूगल मैप्स की गाइडलाइन की वजह से होने वाली घटनाओं को गंभीर समस्या बताया. उन्होंने सरकार से इस पर विचार करने और ठोस कदम उठाने की मांग भी की, ताकि भारत में गूगल मैप्स जैसी स्वदेशी चीजों को अपनाया जा सके.

बीजेपी सांसद अजीत माधव राव गोपछड़े ने शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया. इस दौरान उन्होंने सरकार से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की मदद से गूगल मैप्स का स्वदेशी मॉडल विकसित करने को कहा. उन्होंने इसे विकसित करने के लिए भारतीय स्टार्टअप या कंपनियों को प्रोत्साहित करने की जरूरत पर भी जोर दिया.

कानून में पीड़ित को मुआवजा देने का प्रावधान : गोपछड़े ने कहा कि गूगल मैप्स के गलत होने की वजह से होने वाली दुर्घटनाएं भारत में गंभीर समस्या बनती जा रही हैं. ऐसी घटनाएं हाल ही में केरल, उत्तर प्रदेश और बिहार में देखने को मिली हैं. उन्होंने कहा कि ये घटनाएं इस बात का उदाहरण हैं कि कैसे तकनीकी उपकरणों पर अत्यधिक निर्भरता कई बार खतरनाक परिणाम दे सकती है.

उन्होंने कहा कि गूगल मैप्स की जानकारी हमेशा सही नहीं होती. कई बार यह गलत दिशा बताती है तो कई बार गूगल मैप्स की जानकारी भ्रामक हो सकती है. बीजेपी सांसद ने आईटी एक्ट की धारा 43ए का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि इसमें प्रावधान है कि सभी संस्थाओं को अपने उपयोगकर्ताओं के डेटा की सुरक्षा और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए उचित उपाय करने होंगे. इस कानून में पीड़ित को मुआवजे के रूप में हर्जाना देने का भी प्रावधान है.

'गूगल मैप्स जैसी स्वदेशी चीज को अपनाया जाए' : गोपछड़े ने कहा कि गूगल मैप्स वैश्विक स्तर पर नेविगेशन का एक प्रमुख साधन है. भारतीय स्टार्टअप और कंपनियां भी वर्तमान में तेजी से विकास कर रही हैं. उन्होंने कहा, 'अगर स्टार्टअप और कंपनियां इसरो या अन्य संस्थानों के साथ अत्याधुनिक तकनीक और व्यापक डेटाबेस पर काम करती हैं, तो इससे भारत में एक ऐसा प्लेटफॉर्म विकसित हो सकता है. जिससे गूगल मैप्स जैसी वैश्विक सेवाओं पर निर्भरता कम होगी.'

उन्होंने कहा कि इससे भारतीय कंपनियों के पास अपने देश के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए नक्शे और डेटा होंगे, जिन्हें स्थानीय जरूरतों और संदर्भ के अनुसार अनुकूलित किया जाएगा. भारत सरकार को इन सभी मुद्दों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और ठोस कदम उठाने चाहिए ताकि गूगल मैप्स जैसी स्वदेशी चीज को अपनाया जा सके.

वस्त्र से नहीं विचार से योगी होते हैं : अखिलेश यादव

मिल्कीपुर.

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन मिल्कीपुर में एक जनसभा को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने प्रदेश की योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा. कुंभ में हुए हादसे को लेकर उन्होंने सीएम पर हमला करते हुए कहा कि लोग वस्त्र से नहीं विचार से योगी होते हैं. जो सत्य के रास्ते पर चले वही योगी है और जो सत्य को छिपाए वो कभी योगी नहीं हो सकता.

उन्होंने कहा कि मृत्यु से बड़ा सत्य कुछ नहीं होता लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो लोगों की मौत पर भी झूठ बोल रहे हैं. सीएम योगी पर प्रहार करते हुए अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री छिपाना जानते हैं लेकिन कोई काम करना नहीं जानते हैं. महाकुंभ में अभी भी लोग अपने परिवारजनों को ढूंढ रहे हैं. जिन्होंने दवा किया था कि हमने 100 करोड़ लोगों के स्नान का इंतजाम किया है लेकिन सरकार कुछ लोगों को भी स्नान नहीं करा पाई. सबको महाकुंभ से खदेड़ दिया गया.

'समाजवादी लोग दुख में खड़ा होना जानते हैं' : वहीं अयोध्या में युवती का नग्न हालत में शव मिलने पर अखिलेश ने कहा कि जो घटना अयोध्या में हुई है कोई कल्पना नहीं कर सकता है. बेटी के साथ जो हुआ उस पर सांसद अवधेश प्रसाद भावुक हुए तो उन्होंने कहा कि ढोंग कर रहे हैं. मैं अवधेश जी का दुख-दर्द समझ सकता हूं. उन्होंने कहा कि हम समाजवादी लोग हैं हम दुख और तकलीफ में खड़ा होना जानते हैं. सपा प्रमुख ने कहा कि जो लोग अपनी बेटी को तलाशने निकले उसका शव बिना कपड़ों के नग्न हालत में मिला. अवधेश जी को दुख हुआ और उन्हें रोना आ गया. वहीं वस्त्र पहने लोग इसे ढोंग बता रहे हैं.

नाले में गिरने से 3 मजदूरों की मौत

कोलकाता.

पश्चिम बंगाल में रविवार को कोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्स में मैनहोल की सफाई करते समय नाले में गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई थी. वहीं, राज्य सरकार ने मजदूरों के परिजन को 10-10 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है. हालांकि, अभी तक मजदूरों की मौतों का स्पष्ट कारण नहीं पता चल सका है. प्रशासन की ओर से मामले की जांच जारी है.नगर निगम मामलों के मंत्री फिरहाद हकीम ने रविवार को कहा, 'मजदूर केएमडीए (कोलकाता महानगर विकास प्राधिकरण) के जल निकासी नेटवर्क में काम कर रहे थे. यह काम चमड़ा परिसर की इकाइयों से संबंधित था, लेकिन अभी स्पष्ट नहीं हो पाया कि जल निकासी प्रणाली के एक बिंदु पर इतनी बड़ी मात्रा में अपशिष्ट कैसे जमा हो गया.' उन्होंने जहरीली गैसों से मौत होने का भी संदेह जताया.

एक बचाने गए दो अन्य मजदूरों की भी मौत : फिरहाद हकीम ने कहा कि लोगों की मौत का सही कारण जांच पूरी होने के बाद ही पता चल सकेगा. लेकिन संदेह है कि इन लोगों की मौत नाले में मौजूद जहरीली गैसों के कारण हुई. कोलकाता के बंटाला इलाके के लेदर कॉम्प्लेक्स में रविवार को यह घटना घटी. जब मैनहोल साफ करते समय नाले में गिर जाने के बाद 3 मजदूरों की मौत हो गई.

कांगो की सेना और विद्रोहियों के बीच छिड़ी है भीषण जंग

> अब तक 773 लोगों की हुई मौत

गोमा.

पूर्वी कांगो के सबसे बड़े शहर गोमा और उसके आसपास के इलाकों में रवांडा समर्थित विद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई में एक सप्ताह में 773 लोग मारे गए हैं। कांगो के अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। विद्रोहियों ने गोमा पर कब्जा कर लिया था और वह अन्य क्षेत्रों पर भी कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे, जिसे सेना ने काफी हद तक नाकाम कर दिया है। सेना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुछ गांवों पर नियंत्रण भी हासिल कर लिया है।

बढ़ सकती है मृतकों की संख्या

कांगो सरकार के प्रवक्ता पैट्रिक मुयाया ने राजधानी किंशासा में संवाददाताओं को बताया कि 773 लोगों के मारे जाने और 2,880 लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। विद्रोहियों की ओर से पानी, बिजली आपूर्ति सहित बुनियादी सेवाओं को बहाल करने का वादा किए जाने के बाद सैकड़ों गोमा निवासी शहर लौट आए हैं। शहर लौटने के बाद लोगों ने हथियारों के मलबे से अटे पड़े इलाकों को साफ किया।

स्थानीय निवासी जीन मार्कस ने कहा, ''मैं थक गया हूं और नहीं जानता कि कहां जाऊं। हर ओर सिर्फ मातम है।'' जीन के एक रिश्तेदार की संघर्ष में मौत हो गई है। कांगो के खनिज-समृद्ध पूर्वी क्षेत्र पर कब्जा करने की होड़ में लगे 100 से अधिक हथियारबंद समूहों में 'एम23' सबसे ताकतवर है। इस क्षेत्र में खनिज का विशाल भंडार हैं। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, इस समूह को पड़ोसी देश रवांडा के सैनिकों का समर्थन प्राप्त है।

'दुष्ट' देश कहने पर अमेरिका पर भड़का उत्तर कोरिया

सियोल.

उत्तर कोरिया ने उसे एक 'दुष्ट' देश कहने पर अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो पर निशाना साधा है। उत्तर कोरिया की ओर से सोमवार को कहा गया है कि कि इस तरह की 'असभ्य और निरर्थक टिप्पणियों' से अमेरिका का कभी हित नहीं होगा। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले मौजूदा प्रशासन की पहली बार आलोचना की है। उत्तर कोरिया ने पहले भी संकेत दिया है कि वह अमेरिका के प्रति अपना कड़ा रुख फिलहाल बरकरार रखेगा। ट्रंप ने कहा है कि कूटनीति के जरिए उनका उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से संपर्क करने का इरादा है।

अमेरिकी नीति में नहीं हुआ बदलाव : उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा, ''अमेरिकी विदेश नीति के प्रभारी व्यक्ति के शत्रुतापूर्ण शब्द एवं कार्य, उत्तर कोरिया के प्रति अमेरिका की उस शत्रुतापूर्ण नीति की एक बार फिर पुष्टि करते हैं जिसमें बदलाव नहीं हुआ है।'' उसने कहा कि रुबियो की ''असभ्य और निरर्थक टिप्पणियां'' उत्तर कोरिया को लेकर ''नए अमेरिकी प्रशासन के गलत दृष्टिकोण को सीधे तौर पर दर्शाती हैं और इससे अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाने में कभी मदद नहीं मिलेगी।''

उत्तर कोरिया ने उठाए सवाल:

उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने एक साक्षात्कार के दौरान रुबियो की ओर से उत्तर कोरिया को 'दुष्ट' देश कहे जाने पर सवाल उठाया। इसमें 30 जनवरी को दिए रुबियो के उस साक्षात्कार का जिक्र किया गया है जिसमें उन्होंने विदेश नीति संबंधी चुनौतियों पर बात करते हुए उत्तर कोरिया और ईरान को 'दुष्ट देश' कहा था।

51 साल का लुटेरा दूल्हा!

मुंबई.

> विधवा महिलाओं को फंसाकर करता है शादी
> फिर गहने-रुपये लेकर हो जाता हैं फरार

मुंबई आपने लुटेरी दुल्हन के बारे में तो कई बार सुना होगा, लेकिन मुंबई से एक ऐसा मामला सामने आया है, जहां दूल्हा ही लूटेरा निकला। ये दूल्हा खासकर विधवा महिलाओं को अपने जाल में फंसाता था। ये ऐसी महिलाओं से पहले दोस्ती करता था, इसके बाद उसने शादी करके उनके रुपये और गहने लेकर फरार हो जाता था। मुंबई में एक महिला ने ऐसा करने वाले एक शख्स के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। ये भी पता चला है कि इस शख्स ने पहले भी कई महिलाओं को इसी तरह से धोखा दिया है।

मेट्रोमोनियल साइट से हुई दोस्ती : प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक मेट्रोमोनियल साइट की मदद से एक 51 वर्षीय शख्स ने महिला से शादी की। बाद में वह महिला के गहने लेकर फरार हो गया। आरोपी की पहचान 51 वर्षीय प्रमोद नाइक के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर एक इवेंट कंपनी में वित्तीय प्रमुख के रूप में काम कर रहा था। अब दिंडोशी पुलिस इस आरोपी की तलाश कर रही है। आरोपी ने ऑनलाइन साइट के जरिए पहले विधवा से दोस्ती की और फिर शादी के कुछ ही महीने बाद उसके 17 लाख रुपये से अधिक के आभूषण लेकर भाग गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रमोद की दोस्ती पिछले साल एक मेट्रोमोनियल साइट पर 50 वर्षीय विधवा शिकायतकर्ता से हुई थी।

कोविड के दौरान पत्नी और बेटी की मौत का दावा : शिकायतकर्ता ने 2008 में एक दुर्घटना में अपने पहले पति को खो दिया था। वह अपनी 28 वर्षीय बेटी के सहारे विले पार्ले में रह रही थी। रिश्तेदारों ने उन्हें पुनर्विवाह के लिए प्रोत्साहित किया और एक मेट्रोमोनियल साइट पर अपना प्रोफाइल रजिस्टर करने में मदद की। इसके बाद से महिला को विभिन्न जातियों और धर्मों से रिश्ते का प्रस्ताव मिला। महिला ने उनमें से प्रमोद नाइक को चुना, क्योंकि वह उसके समुदाय से था। अपने प्रोफाइल के अनुसार, नाइक ने दावा किया कि उसकी पत्नी और बेटी की मृत्यु कोविड के दौरान हो गई थी, वह अकेला रह रहा था। वह एक निजी इवेंट कंपनी में वित्तीय प्रमुख के रूप में उच्च पद पर था। अपने परिवार की सहमति से, शिकायतकर्ता ने नवंबर में गोरेगांव के एक मंदिर में उससे शादी कर ली, जिसके बाद यह जोड़ा मलाड ईस्ट में शिफ्ट हो गया।

विधवा महिलाओं को बनाता है निशाना : वहीं पिछले हफ्ते महिला जब सोकर उठी तो उसने अपने पति को गायब पाया। उसका फोन भी बंद था। जब उसने घर की तलाशी ली, तो उसे पता चला कि आलमारी में रखे 17.15 लाख रुपये के आभूषण भी गायब थे। घबराकर उसने अपनी बेटी और अन्य रिश्तेदारों को सूचित किया। महिला ने उस कंपनी में जाकर भी पता किया जहां वह काम करता था। वहां काम करने वाले लोगों ने बताया कि उसने बहुत पहले ही नौकरी छोड़ दी है और ऐसे ही कई महिलाएं उसकी खोज में आ चुकी हैं। अब तक की जांच से पता चलता है कि वह विशेष रूप से विधवाओं को निशाना बनाता है, उन्हेंw धोखा देता है और फिर फरार हो जाता है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 305 (ए) और 318 (4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश कर रही है।

'पिता के शव के 2 टुकड़े करो, एक तुम जलाओ और एक मैं'... अंतिम संस्कार के लिए 2 बेटों में लड़ाई

टीकमगढ़.

मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले के जतारा थाना के लिधौरा ताल गांव से आज एक अजीबो गरीब मामला सामने आया. पिता की मृत्यु के बाद दो सगे भाइयों में पिता के अंतिम संस्कार को लेकर विवाद हो गया. दोनों भाइयों में विवाद इतना बढ़ गया की एक भाई इस बात पर अड़ गया कि पिता के शव के दो टुकड़े कर दिए जाएं, ताकि एक हिस्से का अंतिम संस्कार वह कर सके और दूसरे हिस्से का अंतिम संस्कार उसका भाई सके.

दरअसल, यह पूरा मामला लिधौरा ताल गांव का है, जहां पिता की मृत्यु के बाद उनके अंतिम संस्कार के लेकर दो सगे भाइयों के बीच विवाद हो गया. दोनों भाइयों में विवाद इतना बढ़ा कि बड़ा बेटा पिता को काट कर जलाने की जिद करने लगा. अंतिम संस्कार में एकत्रित परिजनों एवं रिश्तेदारों के मनाने पर भी जब बात नहीं बनी तो पुलिस को सूचना दी गई. इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अंतिम संस्कार के लिए दोनों भाइयों को राजी किया, तब जाकर पिता का अंतिम संस्कार हो सका.

बड़े बेटे ने रुकवाया अंतिम संस्कार : लिधौरा ताल निवासी 85 वर्षीय ध्यानी सिंह घोष की सोमवार सुबह मृत्यु हो गई. मृत्यु के बाद उनके

बेटे दामोदर ने उनके अंतिम संस्कार की तैयारियां पूर्ण कर लीं. वहीं सूचना पर ग्रामीणों के साथ ही रिश्तेदार भी उनके घर पहुंच गए और अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुट गए, तभी दामोदर का बड़ा भाई किशन सिंह घोष अपने बेटे एवं कुछ अन्य लोगों के साथ दामोदर के घर पहुंच गया और पिता का अंतिम संस्कार करने की जिद करने लगा.

जिद पर अड़ गया था मृतक का बड़ा बेटा : इस पर दामोदर ने उसे अंतिम संस्कार करने देने से मना कर दिया. उसका कहना था कि पिता उसके साथ रहते थे और उसने उनकी सेवा की है. लिहाजा वही पिता का अंतिम संस्कार करेगा. इसी बात को लेकर दोनों बेटों के बीच विवाद होता रहा और पिता के शव को भी घर के बाहर रख दिया गया. गांव के लोगों और रिश्तेदारों ने दोनों भाइयों को लाख समझाया की दोनों भाई मिलकर पिता का अन्तिम संस्कार कर लें, लेकिन बड़ा भाई किशन इस बात को बिल्कुल राजी नहीं था.

उसका कहना था कि पिता के शरीर के दो टुकड़े कर दिए जाएं, जिससे दोनों भाई पिता का अलग-अलग संस्कार कर सकें. आखिर जब बात नहीं बनी तो फिर पुलिस को इस बात की सूचना दी गई और पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मृतक का अंतिम संस्कार हो सका.